■ मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ छत्तीसगढ़ ■ नई दिल्ली से प्रकाशित

दैनिक अजय भारत

ग्वालियर | सोमवार 3 मार्च 2025, वर्ष 12 अंक 132 | www.ajaybharat.com | पेज 8, मूल्य- ₹ 2 रूपये

खुशहाल 'अन्नदाता'; हमारी प्राथमिकता

भोपाल। रविवार को मुख्यमंत्री निवास, भोपाल में आयोजित 'किसान आभार सम्मेलन' में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहभागिता कर कृषक भाई-बहनों से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा - अन्नदाताओं के श्रम से अन्न के हर दाने में प्रदेश की समृद्धि की गूंज है। उनके इस समर्पण को खुशहाली में बदलने के लिए हमारी सरकार ने गेहूं उपार्जन पर 175 अतिरिक्त बोनस देते हुए खरीदी मूल्य 2600 प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। साथ ही धान उत्पादक किसान भाई-बहनों को भी 4000 प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया है।किसान कल्याण ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और उनके विकास के लिए हमारा संकल्प अटूट है। सभी अन्नदाताओं को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

■ अजयभारत

सोमनाथ के दर पर पीएम मोदी महादेव के दर्शन-जलाभिषेक किया

अहमदाबाद। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। गुजरात दौरे के दूसरे दिन रविवार को पीएम मोदी ने सोमनाथ महादेव के दर्शन किए और जलाभिषेक किया। पीएम मोदी ने सोमनाथ मंदिर में मार्कण्डेय पूजा और ध्वज पूजा की।

सोमनाथ मंदिर में विद्वानों ने शास्त्रीय मंत्रों के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। मंदिर में सोमनाथ संस्कृत पाठशाला के विद्यार्थियों ने वैदिक मंत्रों का जाप किया। पीएम मोदी ने सोमनाथ मंदिर परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सोमनाथ ट्रस्ट इस प्रसिद्ध धार्मिक स्थल का प्रबंधन करता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। पीएम मोदी गुजरात यात्रा के दौरान कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए शनिवार शाम को यहां पहुंचे।

सोमवार को जंगल सफारी का आनंद लेंगे पीएम मोदी

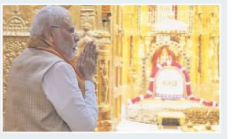

न्यूज़ एजेंसी की ख़बर के मुताबिक, सासन में रात्रि विश्राम के बाद पीएम मोदी सोमवार को जंगल सफारी का आनंद लेंगे। 'सिंह सदन' लौटने पर प्रधानमंत्री एनबीडब्ल्यूएल के पदेन अध्यक्ष के रूप में इसकी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि बैठक के बाद पीएम मोदी सासन में कुछ महिला वनकर्मियों से भी बातचीत करेंगे।

प्रकृति से प्रेम, संस्कृति का सम्मान और मित्रता का महत्व प्रतिपादित करते है भगवान श्रीकृष्ण: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भगवान राम और कृष्ण की धरती से...

भोपाल। अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण ने प्रकृति से प्रेम और ग्राम संस्कृति को सम्मान देने की शिक्षा दी है। राज दरबार में सोने-चांदी और मोती माणिक्य के बीच मोर पंख को अपने शीश पर धारण कर सम्मान प्रदान करना प्रकृति से प्रेम का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण का यह भाव बताता है कि मनुष्य मात्र से प्रेम ही प्रभु प्राप्ति का सच्चा मार्ग है। भगवान श्रीकृष्ण का सुदामा को सम्मान देना, जीवन में मित्रता के महत्व और मित्र के सम्मान के लिए प्रतिबद्धता को प्रतिपादित करता है। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के प्रसंगों से हमें कई व्यावहारिक शिक्षाएं प्राप्त होती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोलार रोड क्षेत्र में मानसरोवर डेंटल कॉलेज के पास इस्कॉन द्वारा बनाए जा रहे श्री श्री राधा गोविंद मंदिर के भूमि पूजन के बाद उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा, इस्कॉन के मध्यप्रदेश प्रमुख गुरु प्रसाद स्वामी महाराज तथा सचिव महामन प्रभु उपस्थित थे। कार्यक्रम में बताया गया कि यह मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा इस्कॉन मंदिर होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र में इस्कॉन मंदिर स्थापना की पहल की सराहना करते हुए कहा कि मंदिर निर्माण, लोगों पर सुख-आनंद, वैभव और उनके कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोलार रोड से इस्कॉन मंदिर को जोड़ने वाले मार्ग का नाम प्रभुपाद मार्ग रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारत की सभी दिशाओं में प्रभु श्री राम और भगवान श्रीकृष्ण की उपस्थिति की सहज ही अनुभूति होती है। विश्व में भी वर्षों से भारत, भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्ण की धरती के रूप में जाना जाता है, मंदिर निर्माण भगवद्भाव के साकार रूप लेने का माध्यम है।

17 स्थानों में शराबबंदी की व्यवस्था लागू की गई

उन्होंने कहा कि इन विचारों के अनुरूप ही राज्य सरकार, मद्यनिषेध की दिशा में कार्य कर रही है, इसीलिए प्रदेश के 17 स्थानों में शराबबंदी की व्यवस्था लागू की गई है। प्रदेश में नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ सहयोग से दुग्ध उत्पादन 9ल से 20ल तक ले जाने की कार्य योजना का क्रियान्वयन जारी है। यह प्रयास हमारी मूल संस्कृति की ओर लौटने के लिए किया जा रहा है।

आकाश आनंद की सभी पदों से छुट्टी, मायावती ने भतीजे को उत्तराधिकारी पद से हटाया

बोलीं- जीते-जी किसी को जिम्मेदारी नहीं दूंगी

लखनऊ। एजेंसी

बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद से सभी जिम्मेदारियां छीन ली हैं। एक साल में दूसरी बार आकाश आनंद को उत्तराधिकारी और नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया है। उन्होंने कहा- जीते-जी किसी को भी अपना उत्तराधिकारी घोषित नहीं करूंगी।

मायावती ने यह ऐलान रविवार को लखनऊ में बसपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में किया। मायावती ने दो नए नेशनल को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। आकाश के पिता आनंद कुमार और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को जिम्मेदारी सौंपी है। बैठक में बसपा के कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल हुए। आकाश आनंद मीटिंग में नहीं पहुंचे थे।

न्यूज कॉर्नर

उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से मौसम पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। (एजेंसी) उत्तर भारत में गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। यूपी, दिल्ली समेत कई जगह दिन और रात के समय काफी गर्मी पड़ रही है। आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि के आसार हैं। इस बीच, एक नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों के मौसम पर असर पड़ेगा। पहाड़ी राज्यों में चार मार्च तक भारी बारिश होगी। वहीं, मैदानी इलाकों में तीन मार्च को बारिश का अलर्ट है। तटीय कर्नाटक में दो और तीन मार्च को हीटवेव चलने की चेतावनी जारी की गई है। पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो अरुणाचल प्रदेश, सब हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल में बारिश और बर्फबारी हुई।

पूर्व सेबी चीफ माधवी बुच पर एफआईआर का आदेश

शेयर धोखाधड़ी मामले में पत्रकार ने शिकायत की थी, भ्रष्टाचार का भी आरोप

नई दिल्ली। एजेंसी

मुंबई की एक स्पेशल एंटी-करप्शन कोर्ट ने सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। शेयर मार्केट फ्रॉड और नियामक उल्लंघन के मामले में कोर्ट ने माधवी के अलावा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ भी केस दर्ज करने का आदेश दिया।

यह आदेश स्पेशल जज एसई बांगर ने ठाणे बेस्ड जर्नलिस्ट सपन श्रीवास्तव की ओर से दायर याचिका पर दिया है। सपन ने स्टॉक एक्सचेंज पर एक कंपनी की लिस्टिंग में बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल फ्रॉड और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। एडिशनल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर प्रभाकर तरंगे और राजलक्ष्मी भंडारी महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए।

उत्तराखंड में 3 दिन बाद 3 और शव मिले...

3 दिन से रेस्क्यू ...7 मजदूरों की मौत

बर्फ का पहाड़ टूटने से अब तक 7 की मौत; ड्रोन-थर्मल कैमरे से 1 की तलाश जारी

चमोली। एजेंसी

त्तराखंड के चमोली में 28 फरवरी को आए एवलांच में फंसे मजदूरों को निकालने का काम तीसरे दिन भी जारी है। डिफेंस पीआरओ ने बताया कि अब तक 54 लोगों में से 53 लोगों को निकाला जा चुका है, इनमें से 7 की मौत हो चुकी है।

हादसे के दूसरे दिन 17 लोगों को निकाला गया, जबकि बीते दिन 33 लोगों निकाले गए थे। इनमें से चार लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। आज 3 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। एक मजदूर की तलाश जारी है। ड्रोन, रडार सिस्टम, स्निफर डॉग, विक्टिम लोकेटिंग और थर्मल इमेज कैमरे से सर्चिंग की जा रही है। 7 हेलिकॉप्टर भी लगाए गए हैं।

पहले लापता मजदूरों की संख्या 55 बताई गई थी, लेकिन शनिवार को पता चला कि एक मजदूर बिना बताए कैंप से अपने गांव चला गया था।हादसा चमोली के माणा गांव में 28 फरवरी की सुबह 7-15 बजे हुआ। मोली-बद्रीनाथ हाईवे पर बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन के मजदूर कंटेनर हाउस में रुके थे, तभी बर्फ का पहाड़ खिसक गया।

कार्टून कॉर्नर

मुरैना में भाजपा फिर मथने को तैयार !

- **पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह और रमेश चंद्र गर्ग फिर होंगे बीजेपी में शामिल !**
- **रुस्तम सिंह ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली में मुलाकात की**

राजनैतिक गलियारे से

अजय दीक्षित

मुरैना। जिले की भारतीय जनता पार्टी की राजनीति फिर मथने तैयार है। बताया जाता है कि पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह और मुरैना लोकसभा सीट से बसपा उम्मीदवार रमेश चंद्र गर्ग पुनः भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का ताना-बाना बुन गया है। दोनों नेता मूलतः भाजपा के ही हैं ।

इस आशय की खबर तब प्रकाश में आई जब रुस्तम सिंह ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से दिल्ली में मुलाकात की । इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की ।

भोपाल के सूत्रों के मुताबिक प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णु दत्त शर्मा ने प्रदेश भाजपा के संगठन महा मंत्री श्री शर्मा, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, तथा महेन्द्र सिंह से बातचीत की है ।

2026 में होने जा रहे परिसीमन

को ध्यान में रख कर नीति बनाई जा रही है । केन्द्रीय आलाकमान और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह चाहते हैं कि बढ़ने वाली संभावित विधानसभा सीट का विकल्प अभी से तैयार हो । मुरैना जिले में शहर की एक विधानसभा और बानमोर विधानसभा सीट नई बनने की संभावना है । ऐसा माना जा रहा है कि उत्तर भारत में लोकसभा की 149 सीट नई बनने जा रही है। गृह मंत्री श्री अमित शाह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के आरोप के जनाब में कहा कि दक्षिण भारत सीट कम नहीं होंगी । नई लोकसभा 808 सीट की होगी ।

मप्र सहित उत्तर भारत के भाजपा प्रभाव वाले सभी राज्यों में नई विधानसभा सीटों के विकल्प तैयार करने की जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष तथा मुख्यमंत्री को दी गई है । रुस्तम सिंह मुरैना विधानसभा सीट से 2003, 2013 में दो बार विधायक रहे हैं और वह प्रदेश सरकार में मंत्री भी रहे हैं ।

गर्ग - गुर्जर का है बड़ा प्रभाव

सूत्र बता रहे हैं कि इस मुहिम के पीछे शिवराज सिंह चौहान भी हैं क्योंकि आलाकमान मानता है कि 18 साल मुख्यमंत्री रहे केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह से बढ़कर भौगोलिक ज्ञान किसी को नहीं। इसलिए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है । रमेश चंद्र गर्ग उद्योगपति हैं वे मुरैना और श्योपुर जिले में बहुत अच्छा प्रभाव रखते हैं उन्होंने कई चुनावों में भाजपा की मदद की है । उनका प्रभाव पूरी लोकसभा में है । वैश्य समाज में उनकी स्थिति मजबूत है। बसपा उम्मीदवार के रूप में उन्होंने 184000 मत हासिल किये थे । रुस्तम सिंह पुलिस अधिकारी आईपीएस रहे हैं लेकिन मुरैना की गुर्जरघार में अच्छी पकड़ है और ओबीसी चेहरा है ।

किसानों का सम्मान ...CM का एलान

किसानों को अब पांच रुपये में मिलेगा बिजली का स्थाई कनेक्शन : सीएम डॉ. यादव

किसान भारतीय अर्थ व्यवस्था की बैकबोन है: एदल सिंह कंषाना

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि किसान भारतीय अर्थ व्यवस्था की बैकबोन हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में किसानों को मिल रही सुविधाओं से राज्य पुन: कृषि में देश में सिरमोर बनेगा। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गेहूँ और धान के बारे में घोषणा कर किसानों की मेहनत को सम्मान दिया है। खजुराहो सांसद वी.डी .शर्मा ने कहा कि किसान मोर्चा द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव आभार व्यक्त करने का निर्णय सराहनीय है। इस ऐतिहासिक फैसले से किसान परिवारों में प्रसन्नता का संचार हुआ। किसान मोर्चा के अध्यक्ष तथा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किसान हित में लिए गए निर्णयों के लिए प्रदेश के किसानों की ओर से आभार माना।

ये रहे साथ

मुख्यमंत्री निवास में किसान आभार सम्मेलन के अवसर पर ऊर्जा, उद्यानिकी, खाद्य नागरिक आपूर्ति, किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों पर केंद्रित प्रदर्शनी भी लगाई गई।कार्यक्रम में खेल, युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, नगर निगम भोपाल अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

खास बातें

- तीन साल में किसानों को 30 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे
- किसानों द्वारा सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली नगद खरीदी जाएगी
- किसानों की आय बढ़ाने और उनका जीवन बेहतर बनाने के लिएहरसंभव प्रयास जारी
- प्रधानमंत्री मोदी के किसानों के प्रति प्रेमभाव का प्रकटीकरण है उनकी कल्याणकारी योजनाएं
- मुख्यमंत्री ने कृषकों से फसल चक्र में बदलाव का किया आव्हान
- मध्यप्रदेश जैविक खेती में अपनी विशेष पहचान करें स्थापित
- जिला स्तर पर लगेंगे विभिन्न कृषि मेले

किसानों को मोहन सरकार का बड़ा तोहफा, बोनस के बाद मुफ्त के दाम में बिजली कनेक्शन

भोपाल।अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों को अब 5 रुपये में बिजली का स्थाई कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। मध्य क्षेत्र को यह व्यवस्था तत्काल आरंभ करने के निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चरणबद्ध रूप से पूरे प्रदेश में किसानों को यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह किसानों की सरकार है। उनका जीवन बेहतर बनाने के लिए हर संभव कार्य किए जाएंगे। राज्य सरकार सोलर पंप के माध्यम से किसानों को बिजली उत्पादन में भी आत्म-निर्भर बनाएगी। अगले तीन वर्ष में किसानों को 30 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराकर, किसानों को बिजली बिल से मुक्ति दिलाएगी। प्रतिवर्ष 10-10 लाख कनेक्शन दिए जाएंगे। किसानों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही किसानों द्वारा सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली खरीद कर उन्हें नगद भुगतान किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसान आभार सम्मेलन में मुख्यमंत्री निवास पहुंचे किसानों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के प्रत्येक अंचल से आए किसानों का पुष्प-वर्षा कर स्वागत अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कृषकों ने साफा, गज माला, शॉल-श्रीफल और प्रतीक-चिन्ह के रूप में बैलगाड़ी एवं हल की प्रतिकृति भेंट कर अभिनंदन किया। कृषकों की ओर से होशंगाबाद सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने समस्त अतिथिगण को स्मृति चिन्ह के रूप में राम दरबार भेंट किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार सदैव

किसानों के साथ है और उनके हित में निरंतर कार्य कर रही है। हम 2 हजार 600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीद रहे हैं, इसमें 175 रुपये बोनस राशि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2003-04 में प्रदेश में गेहूँ खरीदी का सरकारी दाम मात्र 447 रुपए था जो राज्य सरकार ने बढ़ा कर 2 हजार 600 प्रति क्विंटल किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार वर्ष 2024 के लिये धान उपार्जन पर 4 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने जा रही है। उन्होंने कहा कि सोलर पंप के माध्यम से किसानों को स्थाई कनेक्शन भी दिए जाएंगे। हाल ही में अस्थाई कनेक्शन वाले डेढ़ लाख किसानों को स्थाई कनेक्शन दिलवाए गए हैं और इसकी राशि भी कम की गई है। तीन हॉर्स पॉवर वालों को सोलर पंप की 5त्न राशि, 5 से 7.50 हॉर्स पॉवर के लिए 10त्न राशि देना होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार का किसानों के प्रति प्रेम है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हर गरीब, जरूरतमंद के लिए मुफ्त अनाज की व्यवस्था की है। दो लाख करोड़ रुपए के व्यय से 100 करोड़ से अधिक लोगों को वर्ष 2028 तक अन्न देने की व्यवस्था की गई है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रत्येक गरीब का जीवन बेहतर बनाने के भाव का प्रकटीकरण और राम राज्य की अवधारणा को साकार करने का प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री मोदी किसानों को उनका हक दिला रहे हैं। यह हमारी सरकार की उद्दात भावना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषकों से फसल चक्र में बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धान के बदले में मूंगफली और प्राकृतिक फसलों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि जैविक खेती से मध्यप्रदेश अपनी अलग पहचान स्थापित करें। उन्होंने कहा कि जीआईएस भोपाल में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रदेश में उत्पादित कपास से क्रांति आने वाली है। किसान परिवार के व्यक्ति को रोजगार देने वाली टेक्सटाइल मिलों को 5 हजार रुपये का बोनस दिया जाएगा। कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिए सभी प्रयास जारी हैं।

भोपाल में आज से 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप

देशभर की 27 टीमें लेंगी हिस्सा, मंत्री सारंग ने तैयारियों का लिया जायजा

भोपाल।अजयभारत न्यूज

राजधानी भोपाल के बड़े तालाब पर 3 से 7 मार्च तक 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे। रविवार को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने आयोजन स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री सारंग ने कहा कि, मध्यप्रदेश में वाटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए यह चैंपियनशिप महत्वपूर्ण है। उन्होंने भोपाल के बड़े तालाब को देश की सबसे बेहतर वाटर बॉडी बताते हुए कहा कि यह आयोजन खेल प्रेमियों के लिए एक शानदार अवसर होगा। इस चैंपियनशिप में देशभर की कुल 27 टीमों के रोइंग खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें 23 राज्यों की टीमों के अलावा इंडियन आर्मी, इंडियन नेवी, इंडियन एयरफोर्स और सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की टीमें भी शामिल होंगी। यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगी।

प्रतियोगिता में 14 इवेंट्स होंगे

इस प्रतियोगिता के तहत कुल 14 इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 02 इवेंट्स पैरा सिंगल स्कल महिला एवं पुरुष वर्ग के होंगे। इस चैंपियनशिप से न केवल रोइंग खेल को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि युवा खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

पहली बार होगी लाइव प्रसारण

इस बार चैंपियनशिप का सीधा प्रसारण बोट क्लब सहित राजधानी के प्रमुख चौराहों पर किया जाएगा, जिससे खेल प्रेमी इस रोमांचक मुकाबले का आनंद ले सकेंगे। आयोजन की पूरी जिम्मेदारी मध्यप्रदेश के खेल और युवा कल्याण विभाग की वाटर स्पोर्ट्स अकादमी एवं भारतीय रोइंग संघ द्वारा की जा रही है। भोपाल के बड़े तालाब पर आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता से न केवल प्रदेश में रोइंग खेल को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह आयोजन राज्य को वाटर स्पोर्ट्स के हब के रूप में भी स्थापित करने में सहायक होगा।

मप्र से पेपरलेस व डिजिटल बूथ पर प्रजेंटेशन

22 राज्यों के निर्वाचन आयुक्त पेंच राष्ट्रीय उद्यान पहुंचे

तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस में चुनावी चुनौतियों पर चर्चा

भोपाल।अजयभारत न्यूज

सिवनी जिले के पेंच राष्ट्रीय उद्यान में देश के 22 राज्यों के निर्वाचन आयुक्तों की तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस रविवार से शुरू होगी। शनिवार को सभी राज्य निर्वाचन आयुक्त और सचिव पेंच पहुंच गए हैं। 31वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस को एमपी से राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव लीड कर रहे हैं। कॉन्फ्रेंस में एमपी राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से पेपरलेस बूथ के जरिए कराए जाने वाले चुनाव का प्रजेंटेशन दिया जाएगा। साथ ही चुनावी चुनौतियों से निपटने व नवाचारों और स्थानीय निकाय चुनाव के लिए कौन से संवैधानिक प्रोविजन की आवश्यकता है, इस

बात पर भी चर्चा होगी।एमपी में राज्य निर्वाचन आयुक्त कार्यालय पेपरलेस और डिजिटल बूथ पर काम कर रहा है। इसमें कई राज्यों ने रुचि दिखाई है। इसलिए कॉन्फ्रेंस के दौरान इस पर प्रजेंटेशन होगा।

राज्य और उनके निर्वाचन आयुक्त

आंध्र प्रदेश - नीलम साहनी,दिल्ली-चण्डी गढ़ - डॉ. विजय देव,गोवा- दौलत हवलदार,झारखण्ड - डॉ. बीके तिवारी,कर्नाटक - जीएस संगरेशी,राजस्थान - मधुकर गुप्ता,उड़ीसा - मधुसूदन पाधी,तेलंगाना - आई. रानी कुमुदिनी,हिमाचल प्रदेश- अनिल कुमार खांची,असम- आलोक कुमार,तमिलनाडु - बी. जोथी निर्मला सामी,महाराष्ट्र- दिनेश टी. वाघमारे.सिक्किम - केसी लेप्चा,जम्मू-कश्मीर - बीआर शर्मा,छत्तीसगढ़ -अजय सिंह,केन्द्र शासित प्रदेश, दमन व द्वीव - सुधांशु पाण्डे,त्रिपुरा - शरदेंदु चौधरी,गुजरात -डॉ. एस. मुरलीकृष्णन,उत्तर प्रदेश - राज प्रताप सिंह.उत्तराखण्ड -सुशील कुमार,बिहार - डॉ. दीपक प्रसाद,केरल - ए. शाहजहां।

जम्मू कश्मीर में होनी थी बैठक, अब एमपी में

देश के सभी राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्तों का एक नेशनल फोरम बना है। हर साल इसकी बैठक होती है। इस बार एमपी में कॉन्फ्रेंस हो रही है। पहले यह बैठक जम्मू कश्मीर में होनी थी जिसे परिस्थितियों के चलते टाल दिया गया और अब एमपी में कॉन्फ्रेंस का आयोजन होना है।

चुनौतियों से निपटने के उपायों पर चर्चा करेंगे

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने बताया कि-कॉन्फ्रेंस में विभिन्न राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्त स्थानीय निकायों के निर्वाचन के दौरान आई चुनौतियों तथा उनसे निपटने के उपायों पर चर्चा करेंगे। साथ ही नवाचारों और सुधारों से भी अवगत करायेंगे। इस दौरान स्थानीय निकायों के निर्वाचन में नई तकनीकों के उपयोग पर भी चर्चा होगी।

मंत्री प्रहलाद पटेल ने लोगों को बताया भिखारी!

नेताओं से मिलते ही पकड़ा देते हैं 1 टोकरी शिकायती कागज

भोपाल।अजयभारत न्यूज

मध्य प्रदेश की मोहन सरकार में सीनियर मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा जनता के मांग पत्रों को भीख बताए जाने के बयान पर कांग्रेस ने जमकर हमला बोला है. विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पूछा है कि प्रदेश की जनता को मंत्री भिखारी कह रहे हैं. सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि प्रहलाद पटेल ने जो बयान दिया क्या सरकार भी उससे सहमत है? आम जनता के काम करना सरकार और सरकार के मंत्रियों का काम है. गरीब और पीड़ित पक्ष हमेशा न्याय और मदद के लिए आता है, वह भिखारी नहीं हो सकता. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि ÷अधिकार की आवाज को बीजेपी यदि भीख कहती है, तो जनता को सोचना होगा कि वोट की भीख मांगने वाले उसे सरेआम भिखारी कहने की हिम्मत कैसे कर रहे हैं.÷

जहां भी जाते हैं, तो कई लोग अपने बात जनप्रतिनिधि के सामने रखते हैं. यदि निचले स्तर पर कोई अधिकारी सुनवाई नहीं कर रहा है।

कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

मंत्री प्रहलाद पटेल के बयान पर कांग्रेस ने सरकार पर जमकर निशाना साधा है. विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, ÷प्रहलाद पटेल गंभीर और वरिष्ठ मंत्री है. उन्होंने किस भाव से कहा मुझे नहीं पता, लेकिन प्रदेश की जनता को मंत्री भिखारी कह रहे हैं. यह बीजेपी की सरकार को स्पष्ट करना चाहिए. सरकार को योजनाओं पर फोकस करना चाहिए ताकि सभी को लाभ मिल सके. यह सामान्य बात है कि

मंत्री के इस बयान पर मचा बवाल

दरअसल, मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल राजगढ़ जिले के सुठालिया में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे. कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान उन्होंने जनता द्वारा दिए जाने वाले आवेदनों को भीख बता दिया. उन्होंने कहा कि 卐अब तो लोगों की सरकार से भीख मांगने की आदत पड़ गई है. नेता आते हैं तो एक टोकरी तो उनको कागज मिलते हैं. मंच पर माला पहनाएं और एक कागज पकड़ा देंगे यह अच्छी आदत नहीं है. लेने की बजाए देने का मानस बनाएं卐 मैं दावे से कहता हूं कि आप सुखी होंगे और एक संस्कारवार समाज को खड़ा करेंगे. यह भिखारी की फौज इकट्ठा करना यह समाज को मजबूत करना नहीं है. समाज को कमजोर करना है. मुफ्त की चीजों के प्रति जितना आकर्षण रखते हैं यह वीरांगनाओं का सम्मान नहीं है.

खास खबर | शानदार तस्वीर, आप भी देख लीजिए....

कूनो नेशनल पार्क में दिखी चीतों की अठखेलियां -टूरिस्ट चीतों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में अपलोड कर रहे हैं

भोपाल।अजयभारत न्यूज

कूनो नेशनल पार्क चीतों के लिए जाना जाता है. यहां इन चीतों को बाड़े से निकालकर खुले जंगल में छोड़ दिया गया है. अब पार्क में प्रदेश और देश से पर्यटकों की आवक शुरू हो गई है. टूरिस्ट चीतों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में अपलोड कर रहे हैं. ऐसा ही एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें 3 से 4 चीते शिवलिंग के आसपास घूमते नजर आ रहे हैं. वीडियो में दावा किया जा रहा है कि चीता भगवान शिव को नतमस्तक होकर प्रणाम कर रहा है. कूनो नेशनल पार्क में लगातार खुले जंगल में चीतों को छोड़ने के बाद पर्यटकों की आवक बढ़ चुकी है. वहीं रोजाना पर्यटक कूनो नेशनल पार्क में चीतों का दीदार करने के लिए पहुंच रहे हैं. वहीं पार्क में चीतों का दीदार करने के दौरान पर्यटक नए-नए

वीडियो चीतों की बनाकर इंजॉय कर रहे हैं. बीते रोज कूनो नेशनल पार्क में पर्यटक के रूप में भ्रमण करने गए पर्यटक निवेद यादव ने चीतों का दीदार तो किया और साथ ही चीतों की अद्भुत तस्वीरें भी कैमरे में कैद की. चर्चा का विषय तो वो तस्वीर बनी कि जिसमें चीता भगवान भोले शंकर के शिवलिंग के सामने बैठकर उनको प्रणाम कर रहा है. मंदिर पर ढोक दे रहा है. इस वीडियो में साफ-साफ देखा जा सकता है कि कहीं ना कहीं भगवान के प्रति जानवर भी भक्ति भावना रखते हैं. नेशनल पार्क में निवेद यादव ने यह तस्वीर कैमरे में कैद करने के दौरान अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी जारी की है. इसके बाद वीडियो चर्चा का विषय बना है.

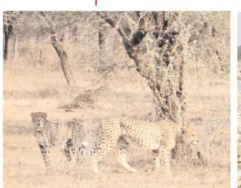

12 चीते खुले जंगल में घूम रहे हैं

नेशनल पार्क में 12 चीते खुले जंगल में विचरण कर रहे हैं. सबसे खास बात तो यह है कि कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता ज्वाला अपने चार शावकों के साथ आकर्षण का केंद्र बनी हुई है. हालांकि मादा चीता ज्वाला और चार शावक अहेरा गेट पर विचरण कर रहे हैं और लगातार चारों शावक अपनी मां के साथ शिकार कर रहे हैं. लगातार नई-नई तस्वीर मादा चीता ज्वाला और चार शावकों के सामने आ रही हैं. पार्क में फिलहाल सभी चीते स्वस्थ हैं और जो खुले जंगल में चीते विचरण कर रहे हैं. वह दर्शकों का आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं.

पर्यटक ने शेयर किए अपने अनुभव

पर्यटक निवेद यादव ने बताया कि यह नजारा हमारे लिए बहुत सुखद और अनुभव भरा रहा है. कूनो नेशनल पार्क में लगातार चीतों के साथ अन्य जानवर भी दिखाई दे रहे हैं.

वैश्य फाउंडेशन जिन चार लक्ष्यों को लेकर गठित हुआ था, उन सभी को पूर्ण करना सराहनीय कार्य : आशीष उषा अग्रवाल

वैश्य फाउंडेशन ग्वालियर द्वारा निर्मित 'मोक्ष वाहिनी' वाहन का लोकार्पण

''मोक्षवाहिनी'' का लोकार्पण वैश्य फाउंडेशन का पुण्यात्म कार्य

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

वैश्य फाउंडेशन ग्वालियर द्वारा निर्मित 'मोक्ष वाहिनी' वाहन का लोकार्पण रविवार को सनातन धर्म मंदिर में किया गया। अतिथियों एवं सनातन धर्म मंदिर के पुजारी ने विधि-विधान से पूजन कर वाहन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि वैश्य फाउंडेशन के ''मोक्षवाहिनी वाहन का लोकार्पण पुण्यात्म कार्य है। वैश्य फाउंडेशन जिन चार लक्ष्यों को लेकर गठित हुआ था, उन सभी को पूर्ण करना सराहनीय कार्य है। इसके लिए मैं फाउंडेशन के पदाधिकारियों को साधुवाद देता हूं। कार्यक्रम का अध्यक्षीय भाषण फाउंडेशन के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने दिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि ग्वालियर मेला प्राधिकरण और एमपीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार गंगवाल, मप्र चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, नितिन मांगलिक, रवि गुप्ता एवं डॉ. श्रीप्रकाश लोहिया ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज में हर जिम्मेदारी उठाने की शक्ति है। जब कठिन से कठिन चुनौतियां निभाने का समय आता है तो यह जिम्मेदारी वैश्य समाज को दी जाती है। इसलिए वैश्य समाज की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि मोक्षवाहिनी, वैश्य फाउंडेशन के उन चार प्रमुख कार्यों में से एक है, जिसके तहत एक वर्ष पूर्व मुकेश अग्रवाल जी की अध्यक्षता में इस फाउंडेशन का गठन किया गया था। जीवित प्राणी की सेवा तो सभी करते हैं, पर मृत्यु के उपरांत चिंता का निःस्वार्थ भाव वैश्य फाउंडेशन का अनुकरणीय प्रयास है। आधुनिकता के साथ हमारी परंपराओं को बनाए रखना, यह हम सभी की जिम्मेदारी है।

वैश्य फाउंडेशन मॉडल की हर तरफ चर्चा

मोक्षवाहिनी सेवा विशेष रूप से उन परिवारों के लिए है, जिन्हें अपने प्रियजन के अंतिम संस्कार के लिए वाहन की आवश्यकता होती है, लेकिन उनके पास इसकी व्यवस्था नहीं होती। यह अनुकरणीय कार्य वैश्य फाउंडेशन द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि वैश्य फाउंडेशन को अपने लक्ष्यों की प्राप्ति की प्रतिबद्धता इसे विशेष बनाती है और इस प्रयास की निरंतता से समाजसेवा का यह आदर्श मॉडल स्थापित होगा। मुझे लगता है कि वह दिन भी दूर नहीं जब पूरे देश में ग्वालियर के वैश्य फाउंडेशन मॉडल की चर्चा होगी।

ये रहे साथ

इस अवसर पर फाउंडेशन के मानसेवी सचिव मुकेश गुप्ता, संयोजक शिवशंकर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आलोक पहारिया, राजेश ऐरन, पारस जैन, संजय नीखरा, अजय जैन, दिनेश अग्रवाल एवं योगेश अग्रवाल सहित वैश्य समाज के वैश्य समाज के वरिष्ठगण एवं फाउंडेशन के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन सुश्री रिचा गुप्ता ने किया।

अलविदा

चिड़ियाघर में अस्वस्थ चल रहे शावक की मृत्यु, किया अंतिम संस्कार

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

गाँधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में टाइगर शावक की बीमारी के चलते आज रविवार को मृत्यु हो गई। जिसका सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में अंतिम संस्कार किया गया। उपायुक्त गांधी प्राणी उद्यान डॉ प्रदीप श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि गाँधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में दिनांक 05.08.2024 को मादा मीरा द्वारा तीन शावको को जन्म दिया गया था, जिसमें से एक शावक दिनांक 27.02.2025 से अस्वस्थ चल रहा था। शिशु शावक का उपचार एवं परामर्श डॉ. ए.बी. श्रीवास्तव वरिष्ठ वन्यप्राणी चिकित्सा विशेषज्ञ एवं उपसंचालक पशु चिकित्सक सेवाओं ग्वालियर के पशु चिकित्सक डॉ. संजय जाधव के मार्गदर्शन में किया जा रहा था, प्रारंभिक जांच में शिशु शावक को नरवाईन डिसऑर्डर की समस्या ज्ञात हुई थी जिस कारण उसके द्वारा खाना-खाना छोड़ दिया गया था उक्त शावक को सिरिंज के माध्यम से लिक्विड डाईट एवं सुबह-शाम ड्रिप के माध्यम से आवश्यक औषधि दी जा रही थी। परन्तु बीमारी के कारण उक्त शावक की दिनांक 02.03.2025 को प्रातः 5.30 बजे के मध्य उसकी मृत्यु हो गई है। मृत शिशु शावक का दिनांक 02.03.2025 को शव परीक्षण कराया गया शव परीक्षण ग्वालियर पशु चिकित्सा सेवायें के पशु चिकित्सक डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. संजय जाधव एवं डॉ. उपेन्द्र यादव के द्वारा किया गया बाद शव परीक्षण वन विभाग के अधिकारी सुखदेव शर्मा, डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, उपायुक्त, चिड़ियाघर एवं क्यूरेटर गौरव परिहार, जू कीपर शिवकुमार पाल, एनीमल कीपर अशोक इत्यादि उपस्थित थे।

सोते बच्चों पर गिरा छत का प्लास्टर

5 साल के मासूम की मौके पर मौत

भाई घायल, 20 साल पुरानी थी छत

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

ग्वालियर के नूरगंज मोहल्ला, सेवा नगर में बेड पर सो रहे बच्चों पर अचानक छत का प्लास्टर गिर पड़ा, जिससे एक पांच साल के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो साल का हनी घायल हो गया। यह घटना शनिवार रात करीब 9 बजे हुई। हादसे की खबर मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत बच्चों को मलबे से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने पांच साल के बच्चे को मृत घोषित कर दिया। अब तक इस घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि अस्पताल से भी उनको सूचना नहीं मिली है।

हादसे में एक बच्चे की मौत, एक घायल

शहर के उपनगर ग्वालियर सेवा नगर स्थित नूरगंज मोहल्ला निवासी जाकिर हुसैन कचरा बीनने का काम करते हैं। उनके परिवार में तीन बेटे और पत्नी है। शनिवार रात वह खाना खा रहे थे और दो बेटे कमरे में सो रहे थे। अचानक तेज आवाज आई और उनके कमरे की छत का प्लास्टर नीचे आ गिरा। उनके दोनों बेटे छत के मलबे में दबकर घायल हो गए।नजारा देखते ही उनकी चींख निकल गई और उनकी चींख व छत से प्लास्टर गिरने की आवाज सुनते ही आस-पास रहने वाले लोग भी एकत्रित हुए। छत के मलबे में दवे बच्चों को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने अमीर को मृत घोषित कर दिया, जबकि उससे छोटे जुबेर को उपचार के बाद परिजन को सौंप दिया है।

मामा के घर गया था बड़ा बेटा

बताया जा रहा है कि जिस स्थान की छत का प्लास्टर गिरा है, वहां पर उनके तीनों बेटे सरफराज खान, अमीर खान और हनी उर्फ जुबेर खान सोते हैं। एक दिन पहले ही बड़ा बेटा सरफराज अपने मामा के यहां पर गया था। इसके चलते वह हादसे का शिकार होने से बच गया।

करीब बीस साल पुरानी थी छत

जिस छत से प्लास्टर गिरा है, वह आरसीसी की है और करीब बीस साल पहले ही उसका निर्माण कराया गया है। छत की जांच में पता चला है कि सरिया के नीचे लगा हिस्सा गिरने से हादसा हुआ था। परिजन का कहना है कि सीलन की वजह से छत गल रही थी। इस मामले में पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत नहीं की है और रविवार दोपहर बच्चे का अंतिम संस्कार किया गया है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

नाक, कान गले के मरीजों को दिया परामर्श

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मेडिकल विंग, राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन ग्वालियर के द्वारा? साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ब्रहाकुमारीज के स्थानीय केंद्र प्रभु उपहार भवन, डॉ आहूजा के सामने माधौगंज ग्वालियर में प्रातः 9 बजे से दोपहर 11ः30 बजे तक किया गया। *शिविर के शुभारम्भ में वार्ड 50 से पार्षद अनिल सांखला, ब्रह्माकुमारीज केंद्र प्रमुख राजयोगिनी बीके आदर्श दीदी, नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ एस पी साहनी, फिजिशियन डॉ सुनीति साहनी वरिष्ठ राजयोग ध्यान प्रशिक्षक बीके प्रहलाद भाई मुख्य रूप से उपस्थित थे। शिविर के आरंभ में आदर्श दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज का मेडिकल विंग लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में आम नागरिकों एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए कार्यरत है। विंग के द्वारा समय समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर एवं जागरुकता अभियानों के माध्यम से लोगो के बेहतर सवास्थ्य के लिए कार्य किया जाता है। शिविर लगाने का उद्देश्य है कि उन सभी लोगों को लाभ मिले जो किसी भी कारण से अस्पताल तक नहीं पहुंच पा रहे है। डॉ एस पी साहनी एवं सुनीति साहनी ने भी अपना वक्तव्य रखा और कहा कि मन सशक्त होगा तो तन सशक्त होगा। मन को सुमन बनाने के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान कार्य कर रहा है। आज मुझे संस्थान के साथ मिलकर सेवा करने का मौका मिला है यह मेरे लिए खुशी की बात है।शिविर के अंत में बीके प्रहलाद भाई ने उपस्थित डॉक्टर एवं अन्य सभी का आभार व्यक्त किया।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ का संभागीय सम्मेलन 1 अप्रैल को ग्वालियर में

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

आगामी 22 एवं 23 मार्च 2025 को मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का त्रिवर्षीय एवं दो दिवसीय महाधिवेशन चम्बल संभाग के मुख्यालय मुरैना मे होने जा रहा है. मुरैना महाधिवेशन मे विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सहित प्रदेश के कृषि विकाश मंत्री एदल सिंह कँसाना ने अपनी स्वीकृति दे दी है। सम्मेलन में मुख्यमंत्री ओर राज्यपाल के भी आने की संभावना है। जिसे लेकर संपूर्ण मध्यप्रदेश जिला इकाईयां में खासा उत्साह है, मध्यप्रदेश के अलग अलग जिलों से संगठन की जिला इकाईयां मुरैना में आयोजित पत्रकारों के इस विशाल सम्मेलन में आने की तैयारियों में जुट गया है। इसी क्रम में ग्वालियर जिला इकाई की एक बैठक गांधी रोड स्थित न्यू सर्किट हाउस में रविवार को जिला अध्यक्ष शाहनवाज खान की अध्यक्षता में रखी गई। जिसमें मुख्य रूप से ग्वालियर चम्बल संभाग प्रभारी एवं प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश शर्मा और प्रांतीय कार्यसमिति सदस्य प्रहलाद सिंह भदौरिया मौजूद रहे। इस बैठक में ग्वालियर चम्बल संभाग प्रभारी एवं प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने निर्णय लिया कि आने बाली 22 मार्च को ग्वालियर जिला इकाई के सदस्यगण और पदाधिकारी ग्वालियर से मुरैना के लिए प्रस्थान करेंगे और सम्मेलन में पूरे जोश के साथ भाग लेंगे। साथ ही यह भी निर्णय लिया कि आने बाली 1 अप्रैल को मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का संभागीय सम्मेलन 1 अप्रैल को ग्वालियर में आयोजित किया जाएगा। जिस पर सभी ने सहमति जताई और सम्मेलन की भव्य तैयारियों में जुटने की बात कही साथ ही प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाए इसके लिए सभी ने अपने अपने विचार रखे। इस दौरान उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता, कोषाध्यक्ष यश सूर्यवंशी, संयुक्त सचिव आलोक सक्सैना, नारायण सिंह कुशवाह, कार्यकारिणी सदस्य निहारिका सिंह नागर, सदस्य मोहन सिंह, गौरव भार्गव, दीपक दिलेर, लक्ष्मण सिंह तोमर, जितेंद्र कुमार, सोनी कुमार आर्य आदि मौजूद रहे।

शहर का विकास और प्रगति मेरा लक्ष्य हैः महापौर डॉ.सिकरवार

महापौर ने किया विकास कार्यों का भूमि पूजन

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

नगर निगम के वार्ड क्रमांक 60 में आज 3 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से मुरार नदी सिरोल थाना रोड पर पुलिया (बॉक्स कल्वर्ट) निर्माण कार्य एवं रॉयल एंक्लेव में 11 लाख रुपए की लागत से सी सी रोड निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार एवं वार्ड के पार्षद केदार सिंह बरहादिया ने किया गया। इस मौके पर महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि क्षेत्र का विकास एवं प्रगति मेरा लक्ष्य रहा है और जनभावनाओं को ध्यान में रखकर उनकी मंशा के अनुरूप कार्य कराया जाता है। महापौर ने कहा कि में एक जनसेवक हूं ओर मेरा दायित्व है कि हम सब मिलकर शहर विकास के लिए काम करें। इस अवसर पर केशव सिंह यादव , राकेश कुशवाह, प्रताप यादव , जशवंत यादव , दिनेश ऐशवार , विक्रम पाराशर , नीलेश बरेदिया , राकेश सिंह , मनोज पाल , उदय सिंह, केवल सिंह , अमरसिंह , मुकेश नरवरिया एवं नगर निगम अधिकारियों सहित क्षेत्रीय नागरिक गण उपस्थित रहे।

डॉक्टर देश की सेवा करते हैं और समाज के कल्याण में अहम भूमिका निभातेः मुनिश्री

मुनिश्री के सानिध्य में शहर के 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ चिकित्सकों का सम्मान हुअ

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ग्वालियर, आचार्य श्री विद्यासागर गुरु भक्त एवं गुणायतन परिवार ग्वालियर के संयुक्त तत्वाधान आज रविवार को कंपू स्थित महावीर भवन में राष्ट्रसंत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री सौम्य सागर जी महाराज एवं मुनि श्री निश्चल सागर जी महाराज के सानिध्य में ग्वालियर चिकित्सा शिरोमणि तथा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड समारोह आयोजित किया गया। इसमें चिकित्सकों की जिज्ञासाओं का समाधान जो आत्म सशक्तिकरण एवं मानसिक शांति के लिए मुनिश्री सौम्य सागर जी महाराज समाधान किए। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि ग्वालियर चिकित्सा शिरोमणि तथा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य थे। विशिष्ट अतिथि पूर्व चैंबर ऑफ कमर्स के अध्यक्ष डॉ वीरेंद्र गंगवाल थे। समारोह का शुभारंभ मुनिश्री के सानिध्य में भगवान महावीर स्वामी एवं आचार्यश्री विद्या सागर महाराज के चित्र का आवरण एवं दीप प्रज्वलित अतिथियों ओर डाक्टरों ने किया। मुनिश्री के पद प्रच्छलन अरविंद जैन डॉ विनोद जैन एवं शास्त्र भेट डॉ पीसी उमा जैन एवं डॉ पीके अंगूरी जैन ने किए। मंगल चरण आरोही जैन व जयनिशा जैन किया। कार्यक्रम परिचय संस्था के अध्यक्ष डॉ वीकेडी जैन ने दिया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन बताया कि मुनिश्री सौम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मुख्य अतिथियो ने ग्वालियर शहर के 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ प्रसिद्ध चिकित्सकों में डा. अजीत दीवान , प्रोफेसर डा. पीसी जैन प्रोफेसर ,डा. के एल सर्राफ, डा. एस के श्रीवास्तव , प्रोफेसर डा.एम एल सर्राफ , प्रोफेसर डा. पी के जैन प्रोफेसर डा. एस आर अग्रवाल , प्रोफेसर डा. एस एम तिवारी, प्रोफेसर डा. आर के तलुजा , डा. एच सी सेतिया, डा. जे एन शर्मा को सतत एवं श्रेष्ठ सेवाओं के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान से सम्मानित किया। वही उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवाओं के लिए डा. बी आर श्रीवास्तव, संचालक कैंसर अस्पताल ग्वालियर को ग्वालियर चिकित्सक शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया।

खास खबर

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी के साथ बिताए हुए पलों को किया साझा

हम सभी को अटलजी के स्वभाव से प्रेरणा लेना चाहिए...

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी समारोह के तहत रविवार को जिला एवं मंडल टोली के साथ उनकी स्मृतियों को ग्वालियर दक्षिण विधानसभा के स्वामी विवेकानंद मंडल के वार्ड क्रमांक 47 के माधौगंज में निवासरत भारतीय जनता पार्टी वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र दण्डोतिया, श्रीकांत नामदेव एवं गुडा स्थित अनिल चौधरी ने उनके साथ बीते हुए ऐतिहासिक पलों को भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी समारोह की जिला एवं मंडल टोली

के साथ में अपने अनुभव अपनी यादों को साझा किया। इससे पूर्व वरिष्ठजनों का शॉल श्रीफल पहनाकर स्वागत किया। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र दंडौतिया ने अटजी को याद करते हुए बताया कि पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा उनके भांजे हैं, अनूप जी के घर के सामने अनूप जी एक ऑफिस हुआ करता था। वहां अटल जी ऊपर छत पर आकर बैठ जाते थे, तो हम सभी लोग उनके पास बैठने चले जात थे, तब अटल जी दीपक वाजपेयी जी कहते थे कि कब तक ऐसे ही बैठाआगे कुछ मगोड़े तो खिला दो तब अटल जी हम सभी को नाम से नहीं जानते थे फिर हम सभी को मगोड़े खिलाते थे। एक बार की बात है जब अटल जी अपना विश्रांति ग्रह पर आए थे तब उन्होंने हम सभी के साथ फोटो खिंचवाए और उस समय 200-250 कार्यकर्ता उनसे मिलने आए थे तब उन्होंने हम सभी से बारी-बारी से मिले और हमारा हालचाल पूछा। उन्होंने कहा कि हम सभी को उनके स्वभाव से प्रेरणा लेना चाहिए। वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीकांत नामदेव ने अटल जी को याद करते हुए कहा कि एक पंडित जी थे जो गणेश जी की प्रतिमा लेते थे और उसको गोबर में रखते थे और उससे निकालकर झाड़ू से साफ करते थे। जिस कारण हमने उसका विरोध किया तो उन्होंने हमारे ऊपर केस कर दिया।

अनिल चौधरी ने सुनाया यह किस्सा

वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल चौधरी ने बताया कि सन 1996 में जब माधराव सिंधिया जी विकास कांग्रेस से ग्वालियर से चुनाव लड़े थे। जब भाजपा ने कुंवर साहब को टिकट दिया था। तब अटल जी मुरार सर्किट हाउस में रुके थे तब मैं अनूप जी के साथ उनसे मिलने गया था मेरे साथ राजकुमार बंसल दुर्गादास अरोड़ा एवं उदय अग्रवाल थे तब मैंने उनसे कहा कि आपने टिकट वापस ले लिया है यह कोई सिद्धांतों की बात है। तब उन्होंने कहा कि माता को माता नहीं होती, पूत कपूत हो सकता है और चुनाव लड़ते क्या अपन जीत जाते राजमाता जी का बहुत योगदान है।

आज का विचार

जब मैं कहता हूं कि आप देवी-देवता हैं तो मेरा मतलब होता है कि आप में अनंत संभावनाएं है, आपकी क्षमताएं अनंत हैं।

■ ओशो

हज़ार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है।

■ गौतम बुद्ध

सम्पादकीय

ट्रंप-जेलेंस्की टकराव

दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने, डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका-यूरोप और सारी दुनिया के देशों के लिए खतरा बन गए हैं। ट्रंप अपने बड़बोल से एक गैंगस्टर की तरह अपने आप को दिखा रहे हैं। उसके कारण सारी दुनिया के देशों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। डोनाल्ड ट्रंप हथेली पर अपनी मर्जी के अनुसार तुरंत दही जमा लेने की कोशिश कर रहे हैं। सबसे पहले उन्होंने अमेरिका के विभिन्न राज्यों के साथ संघीय व्यवस्था को नकारते हुए, संविधान के विपरीत जाकर मनमाने गैर कानूनी आदेश देना शुरू कर दिए। जिसे अमेरिका के राज्यों और न्यायपालिका ने स्वीकार नहीं किया। उससे अमेरिका के लाखों सरकारी कर्मचारियों की नौकरी खतरे में पड़ गई है। राज्यों की शासन व्यवस्था में ट्रंप प्रत्यक्ष रूप से दखल देना शुरू कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में केंद्रीयकृत व्यवस्था लागू करने की दिशा में आगे बढ़ गए हैं। दुनिया के विभिन्न देशों को जिस तरह से ट्रंप ने आदेश के रूप में अपनी बात कर रहे है। उसे दुनिया के देशों द्वारा पसंद नहीं किया जा रहा है। कई देश डोनाल्ड ट्रंप के बयान को अपमान के रूप में देख रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर कारोबारी देशों को जिस तरह से धमकाया है। उसकी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। ट्रंप इजराइल और गाजा के मामले में भी जिस तरह का फरमान जारी किया, गाजा में कब्जा करने की बात कही। गाजा में ट्रंप कॉलोनी बनाने की बात कही। पनामा नहर पर कब्जा करने की बात कही। यूक्रेन और रूस के बीच शांति स्थापित करने के नाम पर जिस तरह से यूक्रेन के राष्ट्रपति को अमेरिका बुलाकर डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया के सामने उन्हें धमकाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, जो अमेरिकी सहायता यूक्रेन को दी गई है। उसके एवज में यूक्रेन के बहुमूल्य खनिज पर अमेरिका का दावा जता दिया। रूस के साथ संधि करने की बात कही। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म करने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलंसकी को आमंत्रित किया था। मीडिया के सामने जिस तरह से जेलेंसकी को धमकाया गया। उससे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी और अमेरिका की गरिमा गिराने का काम किया है। एक समकक्ष राष्ट्रध्यक्ष के साथ किस तरह की वार्ता करनी चाहिए, उसका ध्यान भी डोनाल्ड ट्रंप ने नहीं रखा। मीडिया के सामने आने के पहले दोनों को आपस में बात करके समन्वय बनाने की कोशिश करनी चाहिए थी। दोनों राष्ट्रों के मुखिया को मीडिया के सामने आकर अपनी बात कहनी चाहिए थी। जिस तरह से मीडिया के सामने डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलंसकी को धमकाया। जिस तरह की, तू-तू मैं-मैं, मीडिया के सामने हुई। उसके बाद सारी दुनिया में डोनाल्ड ट्रंप की थू-थू हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही। जिस तरह से उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमेन्युल मेक्रो के सामने गलत बयानी की। फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रो ने मीडिया के सामने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हाथ पकड़ कर उन्हें झूठ बोलने के लिए टोंक दिया।

> डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में केंद्रीयकृत व्यवस्था लागू करने की दिशा में आगे बढ़ गए हैं। दुनिया के विभिन्न देशों को जिस तरह से ट्रंप ने आदेश के रूप में अपनी बात कर रहे है। उसे दुनिया के देशों द्वारा पसंद नहीं किया जा रहा है। कई देश डोनाल्ड ट्रंप के बयान को अपमान के रूप में देख रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर कारोबारी देशों को जिस तरह से धमकाया है। उसकी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। ट्रंप इजराइल और गाजा के मामले में भी जिस तरह का फरमान जारी किया, गाजा में कब्जा करने की बात कही। गाजा में ट्रंप कॉलोनी बनाने की बात कही। पनामा नहर पर कब्जा करने की बात कही। यूक्रेन और रूस के बीच शांति स्थापित करने के नाम पर जिस तरह से यूक्रेन के राष्ट्रपति को अमेरिका बुलाकर डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया के सामने उन्हें धमकाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, जो अमेरिकी सहायता यूक्रेन को दी गई है।

आज का चिंतन

सटीक समाधान

एक दार्शनिक समस्याओं के अत्यंत सटीक समाधान बताते थे। एक बार उनके पास एक सेनापति पहुंचा और स्वर्ग-नर्क के विषय में जानकारी चाही। दार्शनिक ने उसका पूर्ण परिचय पूछा तो उसने अपने वीरतापूर्ण कार्यों के बारे में सविस्तार बताया। उसकी बातें सुनकर दार्शनिक ने कहा - शक्ल-सूरत से तो आप सेनापति नहीं, भिखारी लगते हैं। मुझे विश्वास नहीं होता कि आपमें हथियार उठाने की क्षमता भी होगी। दार्शनिक की अपमानजनक बातें सुनकर सेनापति को गुस्सा आ गया। उसने म्यान से तलवार निकाल ली। यह देख दार्शनिक ठहाका लगाते हुए बोले - अच्छा तो आप तलवार भी रखते हैं। यह शायद काठ की होगी। लोहे की होती तो अब तक आपके हाथ से छूटकर गिर गई होती। अब तो सेनापति आपे से बाहर हो गया। उसकी आंखें क्रोध से लाल हो गईं और वह दार्शनिक पर हमला करने को उद्यत हो गया। तभी दार्शनिक ने गंभीर होकर कहा - बस यही नर्क है। क्रोध में उन्मत्ता होकर आपने अपना विवेक खो दिया और मेरी हत्या करने को तत्पर हो गए। दार्शनिक की बात सुनकर सेनापति ने शांत होकर तलवार म्यान में वापस रख ली।

माय ओपिनियन

■ -डॉ. सब्य साचिन,. वाइस प्रिंसिपल, जीएसबीवी स्कूल

स्टालिन का हिंदी विरोध केवल सियासी जमाखर्ची

एक मशहूर शायर ने कभी कहा था कि अगर किसी जगह दंगा-फसाद हो रहा हो, तो समझिए कि चुनाव नजदीक हैं. हाल ही में एक बार फिर से भाषा के नाम पर उत्तर और दक्षिण को लड़ाने का काम हो रहा है, हिंदी के नाम पर फिर से तलवारें तेज की जा रही हैं, हालांकि इस बार फर्क केवल इतना है कि हिंदी के विरोध में ही श्मशीरें तेज हो रही हैं, हिंदी के नाम पर कोई बलवा नहीं कर रहा है. तमिलनाडू के मुख्यमंत्री स्टालिन की केंद्र से रस्साकशी नयी नहीं है, राज्य में चुनाव आसन्न हैं तो वह एक बार फिर हिंदी विरोध के नाम पर अपनी राजनीति चमका रहे हैं, उनके गुर्गे हिंदी के बोर्ड्स को, नामपट्टों को कालिख पोत रहे हैं, लेकिन स्टालिन यह भूल जाते हैं कि उनके ये कदम देश को कितना कमजोर करेंगे या कर रहे हैं.

राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं अपने वर्चस्व को साबित करने के लिए मनुष्य की अलग-अलग सहज प्रवृत्तियों का शोषण करती हैं और पोषण भी करती हैं. भाषा एक ऐसी चेतना है जो मनुष्य को आपस में जोड़ती है. भाषा का एक स्तर है. भाषा के कारण बांग्लादेश जैसा एक देश बन गया. भाषाएं महत्त्वपूर्ण है हमारे जीवन में. भाषा के महत्व को, इसकी राजनीति को हमारे नेता समझते हैं. जब राज्यो का पुनर्गठन हुआ तो वहां भी भाषा के आधार पर किया गया. भाषा के बिना शिक्षा का कोई स्वरूप नहीं बनेगा. भाषाओं के विशेष संदर्भ में पहली बार 1964 में कोठारी कमीशन बना था. उसने कहा था कि तीन भाषाएं होंगी और संस्कृत को तो सोर्स (यानी मूल) के रूप में लिया कि भारत के संदर्भ में संस्कृत को लेना चाहिए, लिए बिना काम नहीं चलेगा.

1968 में पहली शिक्षा नीति देश में बनी. उसमें तीन भाषाओं की शिक्षा-दीक्षा का विचार औपचारिक रूप से पेश किया गया. पहली एक भारतीय मुल्क की भाषा जिसका अर्थ लगाया गया हिन्दी. दूसरा कहा गया क्षेत्रीय भाषा होगी यानी तमिल, तेलुगु, उड़िया, बंगाली इत्यादि, और तीसरी भाषा अंग्रेजी भाषा होगी. इन तीन भाषाओं में शिक्षा की व्यवस्था होगी और आठवीं कक्षा तक तीनों भाषाओं को पढ़ाना चाहिए. इस मामले पर उसी समय से हिंदी विरोध का एक परचम लगाया गया. क्योंकि आजाद हुए देश में हर भाषाई समूह अपने-अपने वर्चस्व के लिए संघर्षरत था. आगे की राजनीति तय करनी थी और मुद्दा कोई नहीं था तो भाषा को मुद्दा बनाया गया. और दक्षिण भारत में व्यापक पैमाने पर भाषा संबंधी आंदोलन हुए. इसमें सरकार को यह आश्वासन देना पड़ा कि जो भारतीय मुल्क की भाषाएं हैं उसमें हम हिंदी को इंपोज नहीं कर रहे हैं या थोप नहीं रहे हैं. प्रस्ताव को थोड़ा डाइल्यूट किया गया और तीन भाषाएं रह गयीं.

उसी समय यह तय किया गया कि उत्तर भारत के जो राज्य हैं वह दक्षिण राज्य की भाषाओं को भारतीय मुल्क की भाषा के रूप में लेंगे और पढ़ाएंगे. और जो दक्षिण भारत के राज्य हैं वह उत्तर भारत की भाषाओं को भाषा के रूप में लेंगे और पढ़ाएंगे. ताकि एक राष्ट्रीय स्तर पर हम सांस्कृतिक आदान प्रदान कर सकें. इस मामले में दोनों ओर से गलतियां हुई. उत्तर भारत के केवल एक राज्य हरियाणा ने थोड़े समय के लिए तेलुगु भाषा को लागू किया. किसी और राज्य ने दक्षिण मूल की भाषा नहीं चुनी, बल्कि इसके बजाय उन्होंने या तो पंजाबी, उर्दू या संस्कृत चुन ली. हिन्दी और इंग्लिश को जस का तस रखा गया. दक्षिण भारत ने भी कहा एक तो हमारी मातृभाषा तमिल, तेलुगु, या कन्नड़ हो जाएगी. दूसरा उन्होंने कहा अंग्रेजी हो जाएगी. और तीसरे के लिए या तो संस्कृति रखा या दक्षिणी राज्यों की ही किसी दूसरी भाषा को ही रखा गया. उत्तर भारत की भाषाओं को उन्होंने भी एडॉप्ट नहीं किया. केंदीय संस्थान ने जिनको राष्ट्रीय भाषा कहते हैं अंग्रेजी या हिंदी इसके ऑप्शन को हमेशा ओपन रखा. और ताजुब की बात है कि दक्षिण भारत में, खासकर तमिलनाडु में हिंदी पढ़ाए जाने वाले विद्यालयों में सबसे ज्यादा एडमिशन के लिए मारा मारी थी. हाँ, राजनेता ठीक इसके विपरीत चल रहे थे. लेकिन सबसे बड़ी बात है कि मातृभाषा को महत्व मिले इस बात पर ज्यादा तर सरकारों ने ध्यान नहीं दिया.

> राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं अपने वर्चस्व को साबित करने के लिए मनुष्य की अलग-अलग सहज प्रवृत्तियों का शोषण करती हैं और पोषण भी करती हैं. भाषा एक ऐसी चेतना है जो मनुष्य को आपस में जोड़ती है. भाषा का एक स्तर है. भाषा के कारण बांग्लादेश जैसा एक देश बन गया. भाषाएं महत्त्वपूर्ण है हमारे जीवन में. भाषा के महत्व को, इसकी राजनीति को हमारे नेता समझते हैं. जब राज्यो का पुनर्गठन हुआ तो वहां भी भाषा के आधार पर किया गया. भाषा के बिना शिक्षा का कोई स्वरूप नहीं बनेगा. भाषाओं के विशेष संदर्भ में पहली बा र 1964 में कोठारी कमीशन बना था. उसने कहा था कि तीन भाषाएं होंगी और संस्कृत को तो सोर्स (यानी मूल) के रूप में लिया कि भारत के संदर्भ में संस्कृत को लेना चाहिए, लिए बिना काम नहीं चलेगा.

नई शिक्षा नीति 2020 और मातृभाषा

पहली बार जब 2020 में नई शिक्षा नीति आई उन्होंने कहा कि ये जो भाषाई अंतर है इसको हमें आगे बढ़कर मजबूत करना है, क्योंकि जो लेयरिंग प्रोसेस है वह मातृभाषा में बेहतर होगा. उन्होंने भी मातृभाषा फार्मूला ही दिया. क्योंकि पिछ्ला फार्मूला फेल हो गया था. उसको रिपीट करने का कोई फायदा नहीं था, क्योंकि सब अपनी-अपनी मान्यताओं में जकड़े हुए थे. खुल कर दूसरे को स्वयं की जगह देना या अपने आप पर गर्व करना, यह दोनों ही बातें अब तक की शिक्षानीति में नहीं थी. तो कहा गया कि पहले अपने पर गर्व करो. जो पांचवी तक की शिक्षा होगी, वो मातृभाषा में ही होगी. और वह सबसे महत्वपूर्ण भाषा होगी. तो दक्षिण भारतीय के किसी भी राज्य को इसमें कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए. उन्होंने कहा दूसरी भाषा जो होगी कोई भी भारतीय मूल की दो भाषाएं होगी और तीसरी अंग्रेजी या और कोई रख लो. तो, तीन भाषाओं में पहले मातृभाषा ही रहेगी और वह हमेशा प्रथम रहेगी, आगे रहेगी. दूसरी भाषा हिन्दी या अंग्रेजी हो सकती है. और तीसरी भाषा कोई भी भारतीय मूल की भाषा हो सकती है.इसमें न तो थोपने की बात है, न ही किसी भाषा के अपमान की बात है. दरअसल, यह राजनीति की बात है. साल भर के अंदर स्टालिन को चुनाव झेलना है और वह इसी की तैयारी में बेचारी भाषा को बदनाम कर रहे हैं.

सिनेमास्कोप

■ - कल्पना पांडे

द स्टोरीटेलर: कला और बाजार के बीच का संघर्ष

सत्यजित राय की कहानी 'गल्पो बोलिये तरिणी खुरो' पर आधारित अनंत महादेवन की फ़िल्म 'द स्टोरीटेलर' (2025) असली मेहनत और पूँजीवाद के बीच के संघर्ष को केंद्र में रखती है। इस फ़िल्म में दो बिल्कुल विपरीत व्यक्तित्वों की कहानी है। एक तारिणी बंद्योपाध्याय (परेश रावल) है, जो एक वृद्ध बंगाली कहानी कहने वाला है, जिनके विचारों से कम्युनिस्ट या साम्यवादी विचारों का है। दूसरा प्रमुख पात्र रतन गरोडिया (अदिल हुसैन) है जो एक धनी गुजराती व्यापारी, जो अनिद्रा के कारण वर्षों से सोया नहीं है। उनकी परस्पर विरोधी दुनियाओं से यह स्पष्ट होता है कि मुनाफ़ा कमाने की लालसा से चलने वाली व्यवस्था में रचनात्मकता का कैसे शोषण होता है। यह फ़िल्म सिर्फ़ मनोरंजन नहीं करती, बल्कि गहरे सवाल उठाती है - कहानी पर असली हक़ किसका होता है? श्रेय किसे मिलता है? और एक रचनाकार अपनी कला के शोषण के खिलाफ़ कैसे लड़ता है।

द स्टोरीटेलर में, यह दिखाया गया है कि कला का कैसे इस्तेमाल किया जाता है और गलत तरीके से कलाकारों का फ़ायदा कैसे उठाया जाता है। तारिणी, जो बंगाली साहित्यिक परंपरा से आने वाला एक खुशमिजाज उत्साही कथाकार है, सबको अपनी नई-नई कहानियां सुनाता रहता है, उसे अहमदाबाद के एक कपड़ा व्यापारी–रतन गरोडिया–उसकी अनिद्रा दूर करने के लिए और नींद या सके इसलिए कहानियाँ सुनाने के लिए नौकरी पर रखता है। शुरुआत में यह एक साधारण सा समझौता लगता है, लेकिन जल्द ही रतन का असली चरित्र सामने आ जाता है। अमीर होने के बावजूद, रतन अपनी बुद्धिमान और सुसंस्कृत महिला मित्र, सरस्वती (रेवती) को पैसे से प्रभावित नहीं कर पाता। उसका प्रेम पाने के लिए और उसकी नजरों में अपनी छवि निखारने के लिए, वह तारिणी की नवीन मौखिक कहानियों को चुराकर ÷गुज्जू गोर्की÷ के छद्म नाम से प्रकाशित करता है और कम समय में ही मशहूर हो जाता है। यह बौद्धिक चोरी साफ़ दर्शाती है कि पूँजीवादी व्यवस्था कैसे रचनात्मक लोगों–घोस्टराइटर्स, कलाकारों, मज़ दूरों–की कला का नफ़ा कमाने के लिए शोषण करती है।

फिल्म में कोलकाता की बंगाली संस्कृति और अहमदाबाद की गुजराती संस्कृति के बीच तुलना की गई है। तारिणी के कोलकाता में परंपरा और जीवन का उल्लास है–मछली बाज़ार, ऐतिहासिक इमारतें, और पीढ़ियों से चली आ रही कहानियाँ। यहाँ, कहानी सुनाना मिल्कियत नहीं बल्कि पूरे समुदाय की धरोहर है। इसके विपरीत, अहमदाबाद में रतन का महल पूँजीवाद की निर्ममता को दर्शाता है–महँगे फर्नीचर, बिना पढ़ी किताबों से भरी अलमारियाँ, और पिकासो के प्रिंट्स जैसी कलाकृतियाँ, जो सिर्फ़ दिखावे के लिए हैं। फिल्म इस ÷संस्कृति÷ पर कटाक्ष करती है, जहाँ कला और कहानियों की आत्मा खोकर उन्हें सिर्फ़ बिक्री के लिए पैकेज किया जाता है। पूँजीवाद विभिन्न संस्कृतियों को एकसमान बाज़ारू रूप में बदल देता है,

उनकी विशिष्टता को मिटाता है। शुद्ध शाकाहारी रतन, जो अपने विरोधाभासी व्यवहार के लिए जाना जाता है, अपने नौकर से पूछता है, 'क्या तूने मछलियों को दाना दिया', और क्या उसने दाने को (तारिणी) मछली दी? तारिणी कि जो कीमत पूंजीपति के मन है उस नज़रिये को उजागर करता है। कोलकाता का सामूहिक आनंद और अहमदाबाद के महल की खालीपन इस अंतर और संघर्ष के प्रतीक हैं।

इस फ़िल्म में, एक बिल्ली है जिसका प्राकृतिक पसंदीदा भोजन मछली है। उसे हमेशा शाकाहारी खाना खाने के लिए मजबूर किया जाता है। मौका मिलते ही बिल्ली मालिक की मछली टंकी से चुपके से मछलियाँ चुराकर खा लेती है। बिल्ली का यह संघर्ष–प्राकृतिक इच्छाओं और सामाजिक नियमों के बीच का तनाव–एक रूपक है। शाकाहारी भोजन खाद्य पदार्थों की सांस्कृतिक दमन का प्रतीक है, जबकि चुराई गई मछली स्वयं की पहचान और आज़ादी को दर्शाती है। तारिणी, जो बिल्ली के स्वभाव को समझता है, उसे मछली खिलाता है। वह अहमदाबाद छोड़ते समय बिल्ली को कोलकाता ले जाता है। यह दृश्य फ़िल्म में सांस्कृतिक दबाव और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच के संघर्ष को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाता है। बिल्ली की कहानी, तारिणी और रतन के संबंधों का एक दर्पण है, जहाँ रचनात्मकता का शोषण और मुक्ति दोनों दिखाई देते हैं। अहमदाबाद से कोलकाता की यात्रा सांस्कृतिक पहचान की वापसी को दर्शाती है।

इस फ़िल्म में महिला पात्रों को स्वतंत्र और बलवान दिखाया गया है। विधवा सरस्वती (रेवती) बुद्धिमान हैं और उनके अपने नैतिक मूल्य हैं। वह अपने सिद्धांतों पर अडिग रहती हैं। रतन की चोरी का पता चलने पर वह कहती हैं, ÷मैं व्यापारी के सिद्धांतों को स्वीकार कर सकती थी, पर चोर के नहीं,÷ और उसे शुभकामनाएँ देकर चली जाती हैं। इस पल में अमीर रतन कमज़ोर और असहाय नज़र आता है। सरस्वती भौतिक संपत्ति से ज़्यादा ज्ञान और बुद्धि को महत्व देती हैं। लाइब्रेरियन सूजी (तनिष्ठा चटर्जी) को भी आत्मविश्वासी दिखाया गया है, और उसका दुनिया को देखने का अपना नज़रिया है। तारिणी की दिवंगत पत्नी की याद, जिसने उसे लिखने के लिए एक कलम दिया था, प्रेरणा का एक स्थायी स्रोत बन जाती है।

यह इस बात को उजागर करता है कि कला और रचनात्मकता पर महिलाओं का प्रभाव कितना शक्तिशाली होता है। ये महिलाएँ पुराने साहित्य की दयनीय पात्र नहीं, बल्कि सत्यजित राय के प्रगतिशील दृष्टिकोण से बनी मज़बूत चरित्र हैं, जो कहानी को एक समृद्ध और सकारात्मक आयाम देते हैं।

विश्लेषण

■ - प्रदीप अवस्थी

ताकतबर देश, विकासशील व गरीब देशों के लिए नाशूर

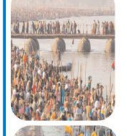

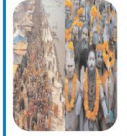

अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जिस प्रकार यूक्रेन के राष्ट्रपति जलेस्की को व्हाइट हाउस में वार्ता के लिए बुलाकर डांटा है और कहा कि यूक्रेन एक तरफा युद्ध बंद करे बर्ना परिणाम भुगतने तैयार रहे। इस तरह की बात तो द्वितीय विश्व युद्ध के समय वर्षा संधि में भी नहीं हुई जबकि जापान ने परमाणु हमले के बाद एक तरफा युद्ध विराम किया था । वॉशिंगटन की यह घटना यह दिखाती है कि उपनिवेशवाद खत्म हो गया लेकिन अधिनायकवाद अभी जारी है और शक्तिशाली देश की हवश बंद नहीं हुई है। जलेस्की का कहना यह था कि रूस युद्ध में अतिक्रमण किये उसके भू-भाग को वापिस करे । जबकि उल्टे अमेरिका यूक्रेन पर दबाव बना रहा है कि जलेस्की माफी मांगे । नाटो के सदस्य पोलैंड, इटली, फ्रांस, जर्मनी, हंगरी जैसे देश अमेरिका के इस रवैए से हतप्रभ हैं। डॉनल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के समक्ष युद्ध के दौरान की गई मदद के बदले यूक्रेन की कुछ जमीन का पट्ठा भी मांगा है। इससे यह समक्ष में आता है कि यूक्रेन तो इस युद्ध में नाटो के नाम पर पिस रहा है। यूक्रेन पर रूस ने इस लिए युद्ध थोपा था कि जिलेस्की ने नाटो में शामिल होने के लिए आवेदन किया था । तब अमेरिका ने यूक्रेन का समर्थन किया था उस समय जोए बाइडन यूएसए के राष्ट्रपति थे। लेकिन डॉनल्ड ट्रंप ने पूरा पासा पलट दिया है । उल्लेखनीय है कि 3 वर्ष से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। उसका 20 फीसदी भू-भाग रूस ने कब्जा लिया है ।शहर के शहर तबाह हो गये हैं। राजधानी कीव में खंडहर बन गये हैं । इकोनॉमी तबाह हो गये हैं और विश्व के सरपंच उसे ही दोषी ठहरा रहे हैं। ये घटना मामूली नहीं है। इससे तीसरी दुनियां के देशों को सबक लेना चाहिए । चीन ने तिब्बत को हड़प लिया है और ताइवान को हड़पना चाहता है। ब्रिक्स देशों को विशेषकर ब्राजील ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका को डॉनल्ड ट्रंप संदेश देना चाहते हैं कि अमेरिकन हितों से टकराने की जुर्रत न करे। वार्ता में जलेस्की से कहा गया कि आपके जाने का समय हो गया और आप टी-शर्ट पहन कर क्यों आये आपको शूट पहनकर आना चाहिए। डॉनल्ड ट्रंप ने एक तरफा घोषित कर दिया है कि रूस यूक्रेन युद्ध बंद हो गया है ।

विकसित देश विशेषकर अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी टेक्नोलॉजी में अव्वल है क्योंकि अधिकतर आधुनिक आविष्कार इनके वैज्ञानिकों ही किये हैं। इन देश का पूरी इकॉनमी हथियार, मिसाइलें, रडार,खुफिया विमान, पैट्रिएट मिसाइल, फाइटर जेट्स, का उत्पादन करते हैं और इन्हें विकासशील देशों को बेचते हैं इतना ही नहीं ये देश गरीब मुल्कों में ऐसे हालत बना देते हैं कि न चाहते भी लड़ाई हो ओर फिर मनमाने दामों पर हथियार बेचते हैं। इस गाढ़ी कमाई से अपने देश में विकास करते हैं।इन कई खुफिया एजेंसी इसी काम में लगी है। मिसाल के तौर सऊदी अरब,कतर, छोटे देशों 400 स्न 16 विमानों क्या जरूरत है लेकिन अमेरिका ने बेच रखे हैं।इराक के तत्कालीन राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को रासायनिक हथियारों के नाम पर बे-वजह नेस्तनाबूद कर दिया गया और उनको फांसी लगा दी। जनरल गद्दाफी को भीड़ ने मारा । शक्तिशाली देशों की नजर हथियार बेचने के अलावा क्रूड ऑयल पर रहती है। अमेरिका खाड़ी देशों में बहुत हस्तक्षेप करता है। मध्य एशिया, साउथ एशिया में सऊदी अरब और पाकिस्तान में उसने अपने सैनिक अड्डे बना रखे हैं ।इन देशों की शासन प्रणाली को नियंत्रित करता है। सऊदी अरब, कतर, यमन, दोहा, कुवैत, अमीरात में पूरा कंट्रोल अमेरिका का है ।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

महाकुम्भ बीत गया

महाकुम्भ बीत गया।
तट जैसे रीत गया।
देखो! देखो! सत्य ही।
सनातन है जीत गया।।
अलौकिक दृश्य था।
अनुपम उल्लास था।
जन–जन की आस्था।
पावन विश्वास था।।
सत्तर करोड़ जन–स्नान।
बहुत बड़ा कार्य था।
उत्तम व्यवस्था थी।
सबको स्वीकार्य था।।
युग–युग सनातन का।
महा–पर्व याद रहे।
कोटि–कोटि नमन।
सदा! कुम्भ निर्विवाद रहे।।
आये सदा ही ये।
पर्व अति महान है।
धर्म–ध्वज सनातन।
पर सदा अभिमान है।।
संगम हृदयंगम है।
मन का भी संगम है।
सर्वदा सफल यह।
कोटि–कोटि वंदन है।।
जीवन घट बीत चला।
दिवस हो क्षीण चला।
फिर भी प्रपंच में ही।
फँसा हुआ सोया हूँ।।
प्रभु से मिलन बिन।
जीवन यह व्यर्थ ही।
सोच–सोच सत्य यह।
फूट–फूट रोया हूँ।।
महाकुम्भ स्नान कर।
तट–रज–कण प्राप्त कर।
पाप, ताप, कल्मष सब।
अंतर के धोया हूँ।।
दुर्लभ सुयोग प्राप्त।
मन में भी योग–आप्त।
संगम–तट अमिय कुछ।
हिय में सँजोया हूँ।।

निखिलेश कुमार मिश्र, 'विवश'
अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी,
श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी

आप भी आमंत्रित | सम्पादकीय पेज पर आप भी आमंत्रित हैं। आप अपने विचार इस पेज के जरिए अभिव्यक्त कर सकते हैं। अपने विचार-लेख, रचनाएं, पत्र हमें इस ईमेल पर भेजें- ajaybharatmorena@gmail.com

संपादकीय पेज पर प्रकाशित सामग्री पर संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।

स्पोर्ट्स गैलरी

वाइपर से मैदान सुखा रहे...

लाहौर। चैंपियंस ट्रॉफी के एक अहम मुकाबले में अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया की टीमें आमने-सामने थीं, लेकिन बारिश और खराब ग्राउंड स्टाफ की लापरवाही के चलते यह मुकाबला पूरा नहीं हो सका। अफगानिस्तान की पारी पूरी होने के बाद जब ऑस्ट्रेलिया 12.5 ओवर में 109 रन पर खेल रही थी, तभी बारिश ने मैच रोक दिया। लेकिन असली समस्या तब खड़ी हुई जब लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम का ग्राउंड स्टाफ मैदान को समय पर सुखा नहीं पाया, जिससे मुकाबले को रद्द करना पड़ा। अब खबर यह आ रही हैं कि आईसीसी ने पीसीबी के खिलाफ बड़े एक्शन का मन बना लिया हैं। इस नतीजे से ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंच गई, लेकिन अफगानिस्तान की टीम अब भी मुश्किल में है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ग्राउंड स्टाफ के सदस्य वाइपर से मैदान सुखाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान एक कर्मचारी फिसलकर गिर गया, जिसे देखकर लोग मजाक बना रहे हैं और पीसीबी की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। फैंस का मानना है कि यदि मैदान को समय रहते खेल योग्य बनाया जाता, तो मैच पूरा हो सकता था ।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका...

करांची। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में बिना कोई मैच जीते सेमीफाइनल में पहुंच चुकी ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लग सकता है। टीम के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट चोटिल हो गए हैं और उनके आगामी मुकाबले में खेलने पर संशय बना हुआ है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ लाहौर में खेले गए मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके कारण वह सेमीफाइनल से बाहर हो सकते हैं।ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि शॉर्ट अभी संघर्ष कर रहे हैं और उनके ठीक होने के लिए कुछ दिन काफी कम हैं। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि उनकी जगह कौन सा खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में शामिल होगा, लेकिन माना जा रहा है कि जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका मिल सकता है। मैथ्यू शॉर्ट ने अफगानिस्तान के खिलाफ 15 गेंदों पर 20 रन बनाए थे, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक 102 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 83 रन बनाए हैं, जिससे वह टीम के अहम बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी लाइनअप पर असर पड़ सकता है।

ऐसे ही दौड़ता रहेगा भारत का विजय रथ

दुबई। एजेंसी

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम इस समय अजय रथ पर सवार है. उसने ग्रुप स्टेज में लगातार तीसरा मुकाबला जीत लिया है. चैम्पियंस ट्रॉफी का आखिरी ग्रुप मुकाबला रविवार (2 मार्च) को भारतीय टीम और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया. इस मैच में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने 44 रनों से जीत दर्ज की.

मैच के हीरो मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती रहे. पहले बैटिंग में अय्यर ने फिफ्टी जमाई. इसके बाद वरुण ने 5 विकेट लेकर न्यूजीलैंड को चारों खाने चित कर दिया. इस तरह भारतीय टीम अपने ग्रुप-ए में टॉप पर रही है. अब भारतीय टीम को अपना

सेमीफाइनल 4 मार्च को दुबई में ही खेलना है. यह मुकाबला ग्रुप-बी में दूसरे नंबर पर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ होगा. जबकि चैम्पियंस ट्रॉफी का दूसरा सेमीफाइनल 5 मार्च को लाहौर में होगा. इस मैच में न्यूजीलैंड की टक्कर साउथ अफ्रीका से होगी.

न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही

टारगेट का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही. उसने रचिन रवींद्र का विकेट सस्ते में गंवा दिया. रवींद्र (6) को हार्दिक पंड्या ने अक्षर पटेल के हाथों कैच आउट कराया. फिर दूसरे ओपनर विल यंग (22) भी वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर बोल्ड हो गए. इससे न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 49 रन हो गया. यहां से अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन और डेरिल मिचेल ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 44 रनों की पार्टनरशिप की.डेरिल मिचेल की पारी का अंत चाइनामैन कुलदीप यादव ने किया. फिर रवींद्र जडेजा ने टॉम लैथम (14) को एलबीडब्ल्यू को आउट करके भारतीय टीम को चौथी सफलता दिलाई. हालांकि इस सबके बीच केन विलियमसन क्रीज पर डटे रहे और उन्होंने 77 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूर कर ली.

श्रेयस अय्यर का अर्धशतक, हेनरी ने जड़ा 'पंजा'

टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 249 रन बनाए. भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले पावरप्ले में तीन विकेट गंवाए. भारत को तीसरे ही ओवर में पहला झटका लग गया. उप-कप्तान शुभमन गिल 2 रन बनाकर तेज गेंदबाज मैट हेनरी की बॉल पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए. फिर छठे ओवर में कप्तान रोहित शर्मा (15) भी पुल शॉट मारने की कोशिश में काइल जेमिसन की गेंद पर विल यंग के हाथों लपके गए. इसके बाद विराट कोहली के रूप में भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा, जो हेनरी की बॉल पर आउट हुए. कोहली का कैच ग्लेन फिलिप्स ने हवा में डाइव मारते हुए लिया. कोहली ने दो चौके की मदद से 11 रन बनाए.

भारत-साउथ अफ्रीका के बीच फिर दिखेगा टी20 विश्व कप के फाइनल का एक्शन रिप्ले?

- »» ग्रुप बी के टेबल में पहले स्थान पर रही साउथ अफ्रीकी टीम
- »» सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हो सकती है टीम की टक्कर
- »» फाइनल में भारत से टकराने का बन रहा है खास सिनेरियो

नई दिल्ली।एजेंसी

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अब अपने अंतिम पड़ाव की तरफ बढ़ चुका है। ग्रुप बी के सभी लीग मैच खत्म हो गए हैं। इस ग्रुप से साउथ अफ्रीका की टीम बेहतर रन के साथ 5 अंक हासिल कर पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान रही। वहीं ऑस्ट्रेलिया के भी 4 पॉइंट्स रहे जिससे वह टेबल में दूसरे स्थान पर रही। ऐसे में अब सेमीफाइनल का सिनेरियो काफी रोमांचक हो गया है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड और अफगानिस्तान की टीम भी शामिल थी।

हालांकि, सेमीफाइनल में कौन सी टीम किससे भिड़ेगी फिलहाल ये तय नहीं हुआ है। ग्रुप ए से भारत और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है, लेकिन दोनों के बीच लीग स्टेज का आखिरी मुकाबला अभी बाकी है। इस मैच में जो भी टीम जीत हासिल करेगी वह पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर अपने सफर का अंत करेगी। ऐसे में एक सिनेरियो ये बन रहा है कि फाइनल में टीम इंडिया की टक्कर एक बार फिर साउथ अफ्रीका के साथ हो सकती है।

ग्रुप ए में भारतीय क्रिकेट टीम 2 मैच में जीत के साथ 4 अंक लेकर पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड रन रेट में बढ़त के कारण पहले स्थान पर है। ऐसे में टीम इंडिया अगर अपने आखिरी लीग मैच में न्यूजीलैंड को हरा देती है तो उसके 6 अंक हो जाएंगे और लीग चरण में वह पहले स्थान पर आ जाएगी। इस स्थिति में टीम इंडिया का सेमीफाइनल में भिड़ंत ग्रुप बी की दूसरे नंबर की टीम यानी ऑस्ट्रेलिया के साथ होगा।

अगर ऐसा होता है तो ...

हालांकि, यहां पर समीकरण ये होगा कि साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराए और फाइनल में अपनी जगह बनाए जबकि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में मात दें। अगर ऐसा होता है तो 9 मार्च को फाइनल में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी का ये समीकरण सही बैठता है तो लगातार दूसरे आईसीसी इवेंट के फाइनल में में ये दोनों टीमें टकराएगी।

गावस्कर ने लगाई इंग्लिश दिग्गजों की क्लास

कहा - भारत पर टिप्पणी से पहले अपनी टीम पर ध्यान दें

नई दिल्ली।एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन और माइकल एथरटन ने हाल ही में दावा किया था कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत को फायदा मिल रहा है क्योंकि टीम को एक ही स्थान पर खेलने का अवसर मिल रहा है, जबकि बाकी टीमों को लगातार सफर करना पड़ रहा है, जिससे उनके प्रदर्शन पर असर पड़ रहा है। इस बयान पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने करारा जवाब दिया है।

गावस्कर ने इंग्लिश दिग्गजों को फटकार लगाते हुए कहा, आप हर वक्त भारत के बारे में ही क्यों सोचते हैं? क्या आपको अपने देश की परवाह नहीं है? भारत को क्या मिला, भारत को क्या नहीं मिला, यही सब कहने से बेहतर है कि आप अपनी टीम पर ध्यान दें। आपकी टीम टूर्नामेंट से बाहर क्यों हुई, उस पर गौर करें। उन्होंने आगे कटाक्ष करते हुए कहा, इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया और

अफगानिस्तान से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई, लेकिन ये लोग भारत की स्थिति पर टिप्पणी करने में व्यस्त हैं। उन्हें समझना चाहिए कि उनका वेतन भी उसी से आता है जो भारत क्रिकेट की दुनिया में लाता है।

गौरतलब है कि भारत अब तक चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सभी मुकाबले जीत चुका है और 2 मार्च को उसका सामना न्यूजीलैंड से होगा। भारत के सभी मैच दुबई में खेले जा रहे हैं, क्योंकि बीसीसीआई ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था, जिसके चलते टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जा रहा है।

बिजनेस

बिजनेस कैफे

कॉमेट ब्लैक्सॉर्म एडिशन लॉन्च

नईदिल्ली। कार बनाने वाली कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कॉमेट ब्लैक्सॉर्म एडिशन को लॉन्च किया है। आप इसे 11,000 रुपये की टोकन राशि देकर अपने नजदीकी एमजी डीलरशिप से बुक कर सकते हैं। इसकी एक्स शोरूम प्राइस 7.80 लाख है और इसे 2.5 रुपये प्रति किलोमीटर बैटरी रेंटल सर्विस के साथ पेश किया गया है, जिससे यह कॉमेट ईवी का टॉप वेरिएंट बन जाता है। बता दें कि इसमें स्टाइलिश स्टारी ब्लैक एक्सटीरियर के साथ ही इंटीरियर में रेड एक्सेंट और प्रीमियम लेदरेट सीट्स दिए गए हैं। ब्लैक फिनिश्ड कॉमेट ईवी नेमप्लेट और इंटरनेट इनसाइट लोगो इसे देखने में और आकर्षक बनाता है। बाद बाकी इसमें एक्सक्लूसिव एक्सेसरी पैक भी ऑफर किया जा रहा है, जिसमें बैज, व्हील कवर, हुड ब्रैंडिंग और स्किड प्लेट्स को बेहतर बनाने की सुविधा मिलता है। एमजी कॉमेट ईवी ब्लैकस्टॉर्म एडिशन में 17.4 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया गया है, जो कि सिंगल चार्ज में 230 किलोमीटर की अराई-सर्टिफाइड रेंज देने में सक्षम है।

होंडा एलिवेट की 1 लाख यूनिट्स बिकी

नईदिल्ली। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने अपनी स्टाइलिश और दमदार एसयूवी होंडा एलिवेट की 1 लाख यूनिट्स बेचने का कारनामा कर दिखाया है। यह उपलब्धि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एलिवेट की शानदार पॉपुलैरिटी दिखाती है। एलिवेट की मौजूदा एक्स शोरूम प्राइस 11.69 लाख रुपये से शुरू होकर 16.73 लाख रुपये तक जाती है। बता दें कि होंडा एलिवेट को भारतीय बाजार में सितंबर 2023 में लॉन्च किया गया था और तब से अब तक एलिवेट ने भारतीय एसयूवी बाजार में अपनी मजबूत जगह बना ली है। मेड इन इंडिया एसयूवी के रूप में होंडा एलिवेट का उत्पादन राजस्थान के तापुकारा प्लांट में किया जाता है। एलिवेट जापान में एक्सपोर्ट की जाने वाली पहली मेड इन इंडिया होंडा कार है। होंडा एलिवेट की इंडिया और ग्लोबल सेल्स के बारे में बताएं तो जनवरी 2025 तक कंपनी ने भारत में 53,326 यूनिट्स की बिक्री की, जबकि 47,653 यूनिट्स विदेशी बाजार में एक्सपोर्ट की गईं।

GST संग्रह में उछाल!

फरवरी में कलेक्शन बढ़कर 1.84 लाख करोड़ के पार, 9.1% की जबरदस्त बढ़त

फरवरी में कुल 20,889 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए जो साल-दर-साल 17.3% की बढ़ोतरी को दर्शाता है।

नई दिल्ली।एजेंसी

सरकार ने फरवरी में हुए सकल वस्तु एवं सेवा कर संग्रह के आंकड़े की घोषणा कर दी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में जीएसटी संग्रह 9.1त्न बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया। सकल जीएसटी राजस्व में घरेलू राजस्व 10.2त्न बढ़कर 1.42 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात से प्राप्त राजस्व 5.4त्न बढ़कर 41,702 करोड़ रुपये हो गया।

बीते दिन क्यू 3 के जीडीपी के आंकड़े भी आए थे

बता दें कि बीते दिनों सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर की भी घोषणा की थी। तीसरी तिमाही में यह 6.2% रही थी। यह आंकड़ा शुक्रवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी किया गया था। इससे पहले, दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि गिरकर 5.4% पर आ गई थी, जो पिछले सात तिमाहियों का सबसे निचला स्तर था और देश की संभावित वृद्धि दर 7-7.5% से काफी कम थी।

जीएसटी संग्रह का ब्योरा

फरवरी में अलग-अलग जगहों से प्राप्त जीएसटी संग्रह इस प्रकार रहा-

केंद्रीय जीएसटी - 35,204 करोड़ रुपये

राज्य त्नस्ञ्ज - 43,704 करोड़ रुपये

एकीकृत त्नस्ञ्ज - 90,870 करोड़ रुपये

मुआवजा उपकर - 13,868 करोड़ रुपये

फरवरी में कुल 20,889 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो साल-दर-साल 17.3त्न की बढ़ोतरी को दर्शाता है। शुद्ध जीएसटी संग्रह फरवरी 2025 में 8.1त्न बढ़कर लगभग 1.63 लाख करोड़ रुपये हो गया। फरवरी 2024 में सकल और शुद्ध जीएसटी संग्रह क्रमशः 1.68 लाख करोड़ रुपये और 1.50 लाख करोड़ रुपये था।

समर्थन मूल्य पर अब 15 से उपार्जित किया जायेगा गेहूं

इन्दौर।एजेंसी

राज्य शासन द्वारा किसानों के हित लिये गये बड़े और महत्वपूर्ण निर्णय के अनुसार अब रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य इन्दौर सहित उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम में 15 मार्च से प्रारंभ होगा। पहले यह खरीदी उक्त क्षेत्रों में 01 मार्च से होना थी। शेष संभाग में भी 17 मार्च से खरीदी के निर्णय में बदलाव करते हुये राज्य सरकार ने किसानों की मांग पर पूरे प्रदेश में एक साथ 15 मार्च से ही खरीदी करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में गेहूं की फसल कटाई पूर्ण नहीं होने तथा मंडियों में आ रहे गेहूं में समर्थन मूल्य उपार्जन हेतु भारत सरकार द्वारा निर्धारित नमी के प्रतिशत से अधिक होने के कारण किसानों को असुविधा से बचाने यह निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है। विगत वर्षों में भी समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन 15 मार्च के बाद ही प्रारम्भ किया जाता रहा है।

किसानों को मध्यप्रदेश सरकार देगी 175 रूपये बोनस

रबी विपणन वर्ष 2025-26 में भारत सरकार द्वारा समर्थन मूल्य में 150 प्रति क्विंटल की वृद्धि करते हुए 2425 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषित किया गया है। जबकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली किसान हितैषी प्रदेश सरकार द्वारा गेहूं उत्पादक किसानों के हित में बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए समर्थन मूल्य 2425 रूपये के अतिरिक्त 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस देने की घोषणा की गई है।

खास खबर

ये हैं वो पांच कारण, जिसने लगाया ऑटो इंडस्ट्री की रफ्तार पर ब्रेक

फरवरी में कारों की बिक्री में बढ़ोतरी कम क्यों रही?

नई दिल्ली।एजेंसी

फरवरी 2025 में कारों की बिक्री की वृद्धि दर में गिरावट देखी गई, जो पिछले साल की तुलना में कम रही। एक्सपर्ट्स ने इस मंदी के पीछे कई कारणों पर जोड़ दिया है। हालांकि, ऑटो इंडस्ट्री ने इससे पहले भी कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन इस महीने की सुस्त वृद्धि ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस ट्रेंड के पीछे मुख्य रूप से पांच कारणों को माना जा रहा है।

बिजनेस न्यूज वेबसाइट की

रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर 2024 में साल के अंत में मिलने वाली भारी छूट के चलते कई लोगों ने कारें खरीद लीं। इससे उस समय बिक्री में तो उछाल आया, लेकिन साथ ही 2025 की शुरुआत में संभावित खरीदारों की संख्या कम हो गई। जब कंपनियों ने बड़े ऑफर्स देकर अपना स्टॉक क्लियर कर दिया, तो नए साल में कार खरीदने वालों की संख्या घट गई। इस गिरावट ने स्वाभाविक रूप से कारों की बिक्री की गति को धीमा कर दिया। दिसंबर में छूट के बाद कई कार कंपनियों ने 2025 की शुरुआत में कीमतें बढ़ा दीं। उदाहरण के लिए, जो ग्राहक साल के अंत की डील्स का फायदा नहीं उठा पाए, उन्हें अब अधिक कीमत चुकानी पड़ रही थी। जब अचानक दाम बढ़ते हैं, तो ग्राहक अक्सर दाम कम होने का इंतजार करते हैं। इस वजह से फरवरी में कार बिक्री की वृद्धि दर धीमी हो गई।

शेयर बाजार में गिरावट एक बड़ा कारण

जनवरी 2025 की शुरुआत से ही शेयर बाजार में गिरावट आई, जिससे लोग बड़ी रकम खर्च करने को लेकर घबराने लगे। कार खरीदना एक बड़ा निवेश होता है, और जब वित्तीय बाजार अस्थिर दिखते हैं, तो ग्राहक आमतौर पर खरीदारी टाल देते हैं। इस वित्तीय अनिश्चितता के कारण कम लोग शोरूम पहुंचे, जिससे कारों की बिक्री की गति धीमी पड़ गई।

वैश्विक व्यापार और भू-राजनीतिक समस्याओं का असर

फरवरी 2025 में हुंडई जैसी कंपनियों को घरेलू बाजार में संघर्ष करना पड़ा, जिसका कारण वैश्विक तनाव था। उदाहरण के लिए, लगातार जारी व्यापार विवादों और सप्लाई चेन में रुकावटों के कारण उत्पादन लागत बढ़ गई। इन समस्याओं का असर ग्राहकों पर भी पड़ा, जिन्हें या तो अधिक कीमत चुकानी पड़ी या फिर गाड़ियों की डिलीवरी में देरी हुई।

बेटे ने फावड़े से काटकर की मां की हत्या

भिंड में 75 वर्षीय मां चाहती थी बेटा दूसरी शादी करे, पत्नी के मोह में बेटे ने ले ली जान

भिंड। अजयभारत न्यूज

भिंड जिले के लहार क्षेत्र के जमुहां गांव में 75 वर्षीय बुजुर्ग सावित्री की उसके ही बेटे रामबाबू जाटव ने फावड़े से काटकर हत्या कर दी। इकलौते बेटे द्वारा मां की हत्या की खबर से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घर में मां और बेटा ही रहते थे। सवाल उठता है कि आखिर ऐसी कौन-सी वजह थी, जिसके कारण बेटे ने अपनी ही मां की जान ले ली?

जब इस मामले की पड़ताल की गई, तो पारिवारिक सदस्यों ने बताया कि आरोपी की पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी और दूसरी शादी कर ली थी। लेकिन रामबाबू अब भी अपनी पत्नी से बेइंतहा प्रेम करता था और चाहता था कि वह लौटकर आए। यह बात उसकी मां सावित्री को नागवार गुजरती थी। वह चाहती थी कि बेटा अपनी पत्नी को भुलाकर दूसरी शादी कर ले और अपना जीवन संवार ले। इसी को लेकर घर में आए दिन विवाद होता था। गांववालों का कहना है कि आरोपी की पत्नी ने कथित तौर पर यह भी कहा था कि वह तभी लौटेगी जब उसकी सास इस दुनिया में नहीं रहेगी। यह बात रामबाबू के दिमाग में घर कर गई। हालांकि, पुलिस पूछताछ में आरोपी रामबाबू ने दावा किया कि उसकी पत्नी का इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है। संवाददाता जब आरोपी के घर पहुंचे, तो वहां उसकी बहन गुड्डी देवी और बहनोई, एसएएफ जवान खुशीराम जाटव से मुलाकात हुई। घर में मातम पसरा था, कुछ महिलाएं और रिश्तेदार शोक व्यक्त करने आए थे। आरोपी के बहनोई खुशीराम जाटव ने बताया, 'मैंने जेल जाने से पहले रामबाबू से मुलाकात की थी। उसके चेहरे पर किसी तरह का पछतावा नहीं था। वह कह रहा था कि मां बहुत गाली देती थी और दूसरी शादी के लिए दबाव बनाती थी।' रामबाबू की बहन गुड्डी ने बताया कि उसके भाई की शादी करीब 25 साल पहले दतिया जिले के उनाव की रानी से हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही उसकी पत्नी मायके जाने लगी और ज्यादातर समय वहीं रहती थी। गांव के एक युवक संजय से उसका प्रेम संबंध था। शादी के कुछ वर्षों तक वह कभी-कभी ससुराल आती-जाती रही, इसी दौरान दो बच्चे भी हुए। गुड्डी के अनुसार, 'करीब 15 साल पहले भाभी ने मेरी मां पर हमला कर दिया था। इसके बाद वह पूरी तरह मायके चली गई। वहां रहते हुए उसके तीन और बच्चे हो गए। भाभी ने मेरे भाई को फंसा रखा था। वह उसे धमकी देती थी कि तुम्हें बर्बाद कर दूंगी। वह हर महीने पैसे की मांग करती थी और कहती थी कि बच्चे तुम्हारे हैं, तुम्हें उनका खर्च उठाना पड़ेगा।' गुड्डी ने आगे बताया, 'भाभी कभी फोन करती, कभी नहीं। ऐसा करके वह मेरे भाई को मानसिक रूप से प्रताड़ित करती थी। उसने साफ कह दिया था कि मेरी मां के मरने के बाद ही घर लौटेगी। भाभी के बहकावे में आकर मेरे भाई ने मां की हत्या कर दी।' गुड्डी ने कहा, 'मां चाहती थी कि भाई दूसरी शादी कर ले और नई गृहस्थी बसा ले। लेकिन भाई भाभी के मोह में फंसा था और उसे पैसे भेजता था। इसी बात को लेकर मां नाराज रहती थी और घर में झगड़े होते थे।' गुड्डी के पति और मृतका सावित्री के दामाद खुशीराम ने बताया कि जब रामबाबू की पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी, तब परिवार ने उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की थी। मामला कोर्ट तक पहुंचा, लेकिन समझौता हो गया। खुशीराम का कहना है कि साला रामबबू का केस 'लहार के वकील एन.डी. शर्मा देख रहे थे। कोर्ट में समझौता होने के बाद रामबाबू ने लिखकर दिया कि वह कोई कानूनी कार्रवाई नहीं चाहता। उसके पास एक मकान और प्लॉट है, इसके अलावा कोई संपत्ति नहीं है। मेरे ससुर का पहले ही देहांत हो चुका था, इसलिए मेरी सास सावित्री का भरण-पोषण वही करता था' इस हृदयविदारक घटना के पीछे घरेलू कलह, पत्नी के प्रति आरोपी की अंधभक्ति और मां के दबाव का त्रिकोणीय संघर्ष सामने आया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

युवक को गोली मारी फिर पत्थर से सिर कुचला

भिंड में भाई की हत्या का बदला लेने किया मर्डर

आठ साल की जेल के बाद बरी हुआ था

भिंड। अजयभारत न्यूज

भिंड जिले के मेहगांव थाना क्षेत्र के जीसकपुरा गांव में शनिवार देर रात 55 साल के एक व्यक्ति को गोली मार दी गई इसके बाद पत्थर से सिर कुचल दिया। हत्या का कारण पुरानी रंजिश बताई जा रही थी। घटना के बाद मेहगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पुलिस ने मेहगांव पीएम हाउस में भेजा। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

टीआई शक्ति सिंह यादव के मुताबिक, साल 2016 में रविंद्र नरवरिया ने जीसक पुरा में मनमोहन नरवरिया की हत्या की थी। मामले में आठ साल तक रविंद्र जेल में रहा। कुछ महीने पहले ही वह न्यायालय से बरी हुआ था। पुलिस के मुताबिक रात के करीब 12:30 से 1 बजे के बीच रविंद्र और मनमोहन नरवरिया का भाई जीतेंद्र आमने सामने हो गए। दोनों के बीच फिर से विवाद बढ़ा और जितेंद्र ने अपने भाई की हत्या का बदला लेने के लिए रविंद्र को गोलियों से भून डाला। फिर सिर को पत्थर से कुचल दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि पुरानी रंजिश में यह हत्या की गई है और आरोपी की तलाश जारी है। इस मामले में चार से पांच लोगों पर पुलिस ने हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने शव को पीएम हाउस मेहगांव भेजा है। बॉडी का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस की एक पार्टी आरोपियों की तलाश में जुटी है। मृतक के भाई देवेंद्र सिंह नरवरिया ने बताया कि रात में मेरा भाई रविंद्र खेत पर गायों की रखवाली के लिए गया था। पुराने विवाद पर जितेंद्र व उसके परिवार वालों ने मेरे भाई को घेर लिया। मैं भी कुछ दूरी पर था। सबसे पहले आरोपियों ने मेरे भाई के गोली मारी इसके बाद उन्होंने घेरकर खंडे से सिर कुचल दिया। इसके बाद जब मैं चिल्लाना तो वो भाग खड़े हुए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर आई तब तक मेरे भाई की मौत हो चुकी थी।

योजनाएं धरातल पर दिखनी चाहिए, कागजों तक सीमित न रहें: भिंड सांसद

दिशा बैठक में आंगनबाडी केंद्रों के सुचारू संचालन पर जोर

भिंड। अजयभारत न्यूज

भिंड में जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय सांसद संध्या राय ने की। सांसद ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचना चाहिए और कोई भी योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। हर योजना धरातल पर दिखनी चाहिए। सांसद राय ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार की योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण तरीके से धरातल पर उतारा जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को मिले, इसके लिए अधिकारी जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर कार्य करें। सांसद ने अधिकारियों से यह भी कहा कि योजनाओं का कार्यान्वयन केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से दिखना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण करने और आगामी बैठक में योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत स्वीकृत, पूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की गई। सांसद ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से नल जल योजना की प्रगति रिपोर्ट मांगी। उन्होंने पूछा कि कितनी पंचायतों में नल जल योजना पूरी हो चुकी है और कितनी पंचायतों में कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में खारा पानी है, वहां शुद्ध जल उपलब्ध कराने के लिए विशेष योजना बनाई जाए। साथ ही जब तक कार्य पूरा न हो, भुगतान नहीं किया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए सांसद ने आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्र प्रतिदिन निर्धारित समय पर खुलें और उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

भिंड में जन सहयोग से लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

पुलिस ने व्यापारियों के साथ की बैठक, थाने में होगा कंट्रोल रूम

भिंड। अजयभारत न्यूज

भिंड शहर में बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया है। भिंड सिटी कोतवाली और लहार थाना पुलिस ने व्यापारियों के साथ बैठक कर बाजार और प्रमुख इलाकों में जन सहयोग से सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना बनाई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन कैमरों का कंट्रोल रूम थाने में रहेगा, जिससे अपराधियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा सकेगी और किसी भी अप्रिय घटना होने पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। कोतवाली थाना प्रभारी बृजेन्द्र सिंह सेंगर ने बताया कि अपराधी वारदात के बाद गलियों और मोहल्लों से होकर फरार हो जाते हैं, जिससे उनकी पहचान में दिक्कत होती है। यदि पूरे शहर में सीसीटीवी कैमरों का जाल बिछा दिया जाए, तो अपराधियों की लोकेशन आसानी से ट्रेस की जा सकती है और उनकी गिरफ्तारी भी जल्द संभव होगी। बैठक में व्यापारियों ने पुलिस के इस सुझाव पर सहमति जताई और अपने-अपने प्रतिष्ठानों के सामने कैमरे लगाने की बात कही। लहार थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा ने भी व्यापारियों संग बैठक कर बाजार और सार्वजनिक स्थानों पर उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कस्बे में अपराधिक गतिविधियों की सतत निगरानी के लिए यह पहल आवश्यक है। इस दौरान पुलिस और प्रशासन ने व्यापारियों को सीसीटीवी लगाने के लिए प्रेरित किया और सुरक्षा के मद्देनजर इसे जरूरी कदम बताया। बैठक में व्यापारियों ने पुलिस के साथ मिलकर कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए सहयोग करने का आश्वासन दिया। पुलिस का यह प्रयास अपराध नियंत्रण में अहम भूमिका निभाएगा और शहरवासियों को सुरक्षित माहौल मिलेगा।

शिवपुरी अजय भारत

स्व. सुशील बहादुर अष्ठाना नाक आउट क्रिकेट टूर्नामेंट का फायनल मुकाबला जय हो क्लब और केके आर के बीच

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

शहर के खेल मैदान पोलोग्राउण्ड में दिवंगत पूर्व विधायक स्व.श्री सुशील बहादुर अष्ठाना स्मृति को संजोते हुए लगातार 13वीं वर्ष रात्रिकालीन नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन पूर्व मण्डल अध्यक्ष भाजपा अनुराग अष्ठाना एवं पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती रिशिका अष्ठाना, आलोक अष्ठाना, शिवम अष्ठाना परिवार के द्वारा किया गया है। इस टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में जय हो क्लब और के के आर टीम के बीच खेल जायेगा। जहां दोनों ही टीमों ने अपने अपने मुकाबले जीतकर खिताबी फाइनल मैच में अपना स्थान बनाया। बताना होगा कि प्रतिवर्ष स्थानीय खिलाड़ियों के लिए स्व सुशीला बहादुर अष्ठाना स्मृति में क्रिकेट के खेल की प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए यह रात्रि कालीन फटाफट नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट किया जाता है ताकि ऐसे खिलाड़ी जो क्रिकेट में रूचि रखते है उन्हें आगे बढ़ाया जाए।

जानकारी देते हुए स्व.श्री सुशील बहादुर अष्ठाना 13वें रात्रिकालीन नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट के संयोजक व आयोजक अनुराग अष्ठाना व शिवम अष्ठाना ने बताया कि बीती 22 फरवरी से प्रारंभ हुए नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट में 16 टीमों ने भाग लिया जिसमें खिताबी मुकाबले तक पहुंचने के लिए इस फटाफट क्रिकेट को देखने जनसैलाब पोलोग्राउण्ड मैदान में उमड़ रहा है। इसी क्रम में बीती रात्रि को हुए सेमीफाइनल फायनल मुकाबले में जय हो क्लब और जेएमडब्लू के बीच मैच खेला गया जिसमें जय हो क्लब ने निर्धारित 8 ओवर खेलते हुए सर्वाधिक 191 रन बनाकर प्रतिद्वंदी टीम जेएमडब्लू की टीम को विजई लक्ष्य दिया। जिसके जवाब में उतरी जेएमडब्लू की पूरी टीम ने शुरुआत धीमे रनों से की और 3 ओवरों ही महज 45 रन बनाए, इसके बाद जब तेज खेलना शुरू किया तब तक बहुत देर हो चुकी थी और निर्धारित 8 ओवरों में जेएमडब्लू की पूरी टीम महज 105 रन ही बना सकी और इस तरह खिताबी मुकाबले के फाइनल में जय हो क्लब की टीम ने अपना स्थान बनाया। यहां मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार जय हो क्लब के खिलाड़ी इसरायल खान को 35 रन बनाने और 2 विकेट लेने पर प्रदान किया गया। वहीं दूसरे मुकाबले में के के आर की टीम ने 8 ब्रदर्स की टीम को पराजित करते हुए अपने खिताबी मुकाबले फाइनल में पहुंचकर स्थान हासिल किया। इस टूर्नामेंट का सफल संचालन कॉमनटेंटर के रूप में कमल बाथम शेरा खेल विभाग कॉर्डिनेटर के द्वारा किया जा रहा है जिनका साथ अम्बरीश अग्रवाल चाचा एवं प्रतियोगिता संयोजक अनुराग अष्ठाना के द्वारा सहयोग रूप में किया जा रहा है। टूर्नामेंट में स्कोरर अभिषेक धाकड़ जबकि निष्पक्ष एम्पायरिंग का कार्य सुजीत करोसिया एवं भानु मांझी के द्वारा की जा रही है। टूर्नामेंट में सहयोगी कॉमनटेंटर के रूप में वरिष्ठ क्रिकेटर व मंच संचालक गिरीश मिश्रा मामा, विवेकवर्धन शर्मा सहित अष्ठाना परिवार के द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

श्री बाबा श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष सुनील शुक्ला व दीपा बंसल बने

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

श्री बाबा श्याम सेवा समिति की जिला आज जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें महिला इकाई की अध्यक्ष दीपा देवेंद्र बंसल को नियुक्त किया गया है वहीं जिला अध्यक्ष के रूप में सुनील शुक्ला को नियुक्त किया है उनकी यह नियुक्ति श्री बाबा श्याम सेवा समिति के प्रति सेवा, सद्भावना एवं कार्यशैली प्रभावित होकर समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिर्राज शर्मा की सहमति से की गई है। कार्यकारिणी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गजेन्द्र यादव, राष्ट्रीय संगठन मंत्री मुन्ना मित्तल, राष्ट्रीय विधि सलाहकार संजीव बिलगैंया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री विनय राजपूत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता, विष्णु गोयल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रूबी गुप्ता, राष्ट्रीय सचिव नीलम जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ममता शर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पारस जैन एवं अन्य लोगों की उपस्थिती में दोनों जिला अध्यक्ष महिला व पुरूष अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है।

संक्षिप्त समाचार

सुगंधा शर्मा ने बाल कल्याण समिति अध्यक्ष व अन्य सदस्यों ने किया पदभार ग्रहण

शिवपुरी। बच्चों से संबधित सभी तरह के प्रकरणों के निराकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित बाल कल्याण समिति शिवपुरी के अध्यक्ष का पदभार श्रीमती सुगंधा आशुतोष शर्मा ने ग्रहण किया,अन्य सदस्यों में धीरेंद्र प्रताप सिंह,ज्ञान सिंह कौरव ,संतोष पांडेय व श्रीमती रेखा शर्मा ने भी बाल कल्याण समिति कार्यालय पहुचकर पदभार ग्रहण किया। श्रीमती सुगंधा शर्मा इससे पूर्व तीन वर्ष तक सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी है,वह शिवपुरी के वरिष्ठ सामजसेवी साहित्यकार लेखक मीसाबंदी हरिहर शर्मा की पुत्रबधू व वीर रस कवि आशुतोष ओज की धर्मपत्नी है। नियमित रक्तदाता शरद जावड़ेकर व शिक्षिका नीलम जावड़ेकर की पुत्री है।उनके साथ ही धीरेन्द्र प्रताप सिंह, ज्ञान सिंह कौरव, संतोष पांडेय व रेखा शर्मा ने भी अपना पदभार ग्रहण किया,चारो सदस्य ही नए है।इसी तरह किशोर न्याय बोर्ड में भी सरला वर्मा व पत्रकार रंजीत गुप्ता की नियुक्ति के आदेश जारी हुए है, यह दोनों पूर्व में बाल कल्याण समिति शिवपुरी के सदस्य रह चुके है। नई नियुक्ति पर विधायक देवेंद्र जैन,महेंद्र यादव,रमेश खटीक,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र जैन गोटू,हरवीर सिंह रघुवंशी, विजय शर्मा, संदीप माहेश्वरी, पवन जैन,राजेश गोयल रजत, सूरज जैन, देवेंद्र मजेजी,पवन शर्मा विद्यापीठ, प्रयागनारायन शर्मा, किशोर जैमिनी,सुरेश दुबे, पुरुषोत्तम दास शर्मा, हरवीर चौहान सहित अन्य गणमान्य जनों से अपनी और से बधाई प्रदान की है।

01 लाख 27 हजार की अवैध मदिरा जप्त

आबकारी विभाग की छापामार कार्यवाही

शिवपुरी। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा सतत् कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों के पालन में म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत अवैध मदिरा धारण, परिवहन, चौर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध संजय कुमार गुप्ता, जिला आबकारी अधिकारी शिवपुरी के निर्देशन में दिनांक 28.02.2025 एवं 01.03.25 को वृत्त पिछोर क्षेत्रातर्गत श्री विनीत कुमार शर्मा आबकारी उप निरीक्षक द्वारा ग्राम छतरपुर आसपुर, आसपुर, वपावली, खडेला, टपरियन खोड, खोड, मुहारी कलां, बुढेरा, कसेरा, बमोरकला में दबिश दी जाकर कुल 60.22 लीटर देशी मदिरा प्लेन/हाथ भट्टी मदिरा जप्त कर मप्र आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत 11 स्थानों पर छापामार कार्यवाहियों में कुल 13 प्रकरण पंजीबद्ध कर 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आगामी दिनों में भी आबकारी विभाग शिवपुरी के द्वारा मदिरा के अवैध बिक्री पर रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही जारी रहेगी।

कैट प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य पुलिस महाअधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक शिवपुरी से की मुलाकात

शिवपुरी। शिवपुरी दौरे पर आए मुख्य पुलिस महानिरीक्षक अरविंद कुमार सक्सेना एवं पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ से कैट प्रदेश उपाध्यक्ष पवन जैन के नेतृत्व में कैट टीम के विभिन्न व्यापारियों ने सौजन्य भेट की। कैट महामंत्री सौरभ सांखला, कोषाध्यक्ष पारस जैन एवं संगठन मंत्री संजीव जैन जानकारी देते हुए बताया कि निकट समय में व्यापारी हितों पर परिचर्चा का आयोजन करा जाएगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से कोलारस कैट टीम अध्यक्ष सुनील जैन, सराफा एसोसिएशन से रितेश सांखला, पेट्रोल पंप संगठन से पुनीत जैन, रेडीमेड कपड़ा संगठन से कुलदीप जैन, इंडस्टरीज इंडस्ट्रियल से नारायण राठौर, लोहा एवं स्टील से गोविंद मित्तल, इलेक्ट्रिकल्स दीपक अग्रवाल, सोलर एनर्जी से रवि गुप्ता, किराना व्यवसाय से रमन गुप्ता आदि व्यापारी उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि आज

मेडिकल कॉलेज में टीबी की बीमारी पर जन-जागरूकता सेमीनार आयोजित

टीबी मरीजों के नियमित दवा जरूरीः डॉक्टर राजेश अहिरवार

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में शनिवार को अधिष्ठाता डॉक्टर डी परमहंस के मार्गदर्शन में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर राजेश अहिरवार के नेतृत्व में टीबी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अधिष्ठाता डॉक्टर डी परमहंस, अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष चौऋषि,कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉक्टर राजेश अहिरवार, विभागाध्यक्ष डॉक्टर ईला गुजारिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अधिकारी सहित वक्ताओं ने टीबी रोग पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत कॉलेज में एक दिवसीय टीबी जागरुकता अभियान चलाया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता डॉक्टर डी परमहंस ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के निर्माण में सबकी सहभागिता और सबका सहयोग आवश्यक है चिकित्सक और चिकित्सालय तो अपना कार्य करेगा ही पर समाजसेवी संस्थानों या समाजसेवी व्यक्तियों को इस दिशा में आगे आना होगा। इसके साथ ही साथ जो टीबी के मरीज हैं वह भी जागरूकता और संवेदनशील बने, जो टीबी मरीज उपचार पूर्ण कर टीबी मुक्त हो रहे हैं वो समाज को बतायें की हमने टीबी की दवा अपने निकटवर्ती शासकीय अस्पताल से निशुल्क प्राप्त कर, नियमित सेवन किया और आज मैं पुरी तरह से स्वस्थ हूं। इस दौरान कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर राजेश अहिरवार ने नर्सिंग ऑफिसर, पैरामेडिकल, एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया कि टीबी मरीजों को पौष्टिक आहार लेना बेहद जरुरी है। अच्छी देखभाल और नियमित दवा से टीबी बीमारी को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह से अधिक खांसी, वजन कम होना, धीमा बुखार होना, बलगम में खून आना, कमजोरी लगना आदि टीबी के लक्षण है। ऐसे लक्षण देखे जाने के बाद नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर बलगम जांच कराना चाहिए। उन्होंने बताया कि हमारे मेडिकल कॉलेज सहित सरकारी अस्पतालों में टीबी का इलाज निशुल्क किया जाता है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर अल्का त्रिवेदी ने बताया कि सरकर द्वारा टीबी से पीड़ित मरीजों को दवाइयों की किट मुफ्त दी जा रही है. इसके साथ ही सरकार की तरफ से भी टीबी के मरीजों को हर महीने 500 रुपए मदद देने की योजना चल रही है, ताकि मरीज अपने लिए हेल्दी फूड (पौष्टिक आहार) खरीद पाएं और इलाज के लिए ट्रैवल में खर्च कर सकें. मरीजों को यह मदद उनके पूरी तरह ठीक होने तक मिलती है.उन्होंने बताया कि आधार नंबर और मेडिकल डॉक्युमेंट्स के हिसाब से रकम बैंक अकाउंट में डायरेक्ट ट्रांसफर की जाती है।

बिजली चोरी के मामलों में 8 मार्च को होगी सुनवाई

लोक अदालत में राशि सीमा 50 हजार से बढ़कर 10 लाख, किसानों को मिलेगा विशेष लाभ

मुरैना। अजय भारत न्यूज़

बिजली चोरी के मामलों में उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलने जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी ने 8 मार्च को होने वाली लोक अदालत में प्रकरणों की राशि सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी है। मुरैना शहर में अब तक 1400 बिजली चोरी के प्रकरण न्यायालय में दर्ज किए जा चुके हैं। इसके अलावा लगभग 8500 और प्रकरणों को न्यायालय में प्रस्तुत करने की तैयारी चल रही है। इस निर्णय का सबसे अधिक लाभ किसानों को मिलेगा। पहले 5 एचपी पम्प पर बिजली चोरी पकड़े जाने पर 46 हजार रुपये की बिलिंग की जाती थी, जो 16 प्रतिशत चक्रवर्ती ब्याज की पेनल्टी के साथ करीब 50 हजार रुपए तक पहुंच जाती थी। मुरैना जिले में 5 एचपी से अधिक क्षमता वाले पंप रखने वाले किसानों की संख्या सर्वाधिक है। विद्युत कम्पनी ने लोक अदालत में घरेलू, गैर-घरेलू कनेक्शन के साथ 5 एचपी के पंप और 10 एचपी की आटा चक्कियों के कनेक्शन भी शामिल किए हैं। कंपनी का उद्देश्य अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाना और राजस्व में वृद्धि करना है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के उप महाप्रबंधक अभिषेक चौरसिया के अनुसार, राशि सीमा बढ़ाने से 8 मार्च की लोक अदालत में किसानों को विशेष लाभ मिलेगा।

घर से पेपर देने निकला छात्रा लापता पुलिस ने की एफआईआर दर्ज

अजय भारत न्यूज

जौरा,(कासं) । घर से स्कूली दोस्तों के साथ पेपर देने निकला एक 12 वर्षीय छात्र परीक्षा केन्द्र पर नहीं पहुंचा तथा रास्ते से ही अचानक लापता हो गया । पुलिस के अनुसार कुणाल पुत्र धर्म सिंह जाटव उम्र लगभग 12 वर्ष निवासी पा त री का पूरा 1 मार्च को कक्षा 8 के परीक्षा देने के लिए घर से अपने दोस्तों के साथ जोरा स्थित कन्या घड़ी विद्यालय के लिए निकला हनुमान चौराहे तक पहुंचाने के बाद अचानक कुणाल जाटव लापता हो गया घर वालों ने कई जगह उसकी तलाश भी की लेकिन उसका पता नहीं चल सका पुलिस ने कुणाल के परिजनों की रिपोर्ट पर से मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है ।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को एफआरएस फेस रिकॉर्डिंग का दिया गया प्रशिक्षण

अजय भारत न्यूज

पोरसा,(कासं) । महिला बाल विकास कार्यालय पोरसा की सीडीपीओ सपना यादव के मार्गदर्शन में गत शनिवार को गायत्री मंदिर परिसर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सुपरवाइजर श्रीमती सुनीता तोमर एवं ब्लॉक कोडीनेटर श्रीमती मिथिलेश तोमर के द्वारा फेस रिकॉर्डिंग का प्रशिक्षण दिया गया विस्तार से समझाते हुए बताया गया कि हर चीज शासन के पोर्टल पर अंकित की जानी चाहिए रिकॉर्ड पूरा शासन के संज्ञान में आना चाहिए आम जनता के हितार्थ जो योजनाएं चल रही हैं उसका समुचित लाभ प्रत्येक हितग्राहियों को मिलना चाहिए जो पात्र है प्रशिक्षण में पोषण ट्रैक्टर पर आंगनबाड़ी के हितग्राहियों का पूरा डाटा फीड होकर के फेस रिकॉर्डिंग हो करके उनका लाभ प्राप्त कराया जाएगा इसके लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें सभी सेक्टरों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया है जिससे वह सही तरीके से अपना काम आसानी से कर सके ।

हीमोफिलिया मरीजों के लिए इंटास फाउंडेशन द्वारा नि:शुल्क शिविर का आयोजन

मुरैना। अजय भारत न्यूज़

इंटास फाउण्डेशन पिछले कई वर्षों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने वाला एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) है। जिसके द्वारा हीमोफीलिया मरीजों के संदर्भ में हेमोफीलिया सहायता परियोजना (H-PAP) संचालित की जा रही है। इसी परियोजना के तहत रविवार को इंटास फाउण्डेशन द्वारा मुरैना शहर में हीमोफिलिया मरीजों के लिए निःशुल्क शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सभी हीमोफिलिया मरीज अपने माता पिता या परिजनों के साथ इस शिविर में उपस्थित हुए। शिविर में फैक्टर 8 का वितरण, फैक्टर लेवल की जाँच, इन्हिबिटर जाँच, सेल्फ इन्फ्यूजन प्रशिक्षण, घर के लिए होम केयर किट का वितरण आदि सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई। इस शिविर में लगभग 80 लोगो ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जिसमे 30 से अधिक हीमोफिलिया के मरीज थे। पंचायती धर्मशाला में आयोजित इस कार्यक्रम में मरीजों एवं उनके साथ आये हुए परिजनो के लिए इंटास फाउंडेशन द्वारा भोजन का प्रबंध भी किया गया था। इंटास फाउंडेशन की ग्वालियर टीम की ओर से नील सारस्वत, स्वाति जैन तथा शुभम तोमर के द्वारा इस शिविर का आयोजन किया गया था।

सरस्वती आरोग्यधाम में मरीजों का हुआ नि:शुल्क परीक्षण

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(कासं) । सरस्वती आरोग्यधाम में रविवार को सरस्वती आरोग्यधाम में मरीजों का निःशुल्क परीक्षण किया गया

जिसमें मेडिसिन के 35 मरीज बच्चों के 20 मरीज डेंटल के 18 व आयुर्वेदिक के 12 मरीजों का निःशुल्क परिक्षण किया गया । डॉ. राघवेन्द्र यादव, डॉ. ब्रजेश कटारे, डॉ. देव कुमार गर्ग एवं डॉ. सौरभ शर्मा द्वारा निःशुल्क परिक्षण किया गया व 55 मरीजों की ब्लड शुगर की जाँच भी की गई व ब्लड की जॉच 60-70त्न डिसकाउंट पर पैथोलॉजी लेब पर भेजी गई तथा पूर्व विद्यार्थी परिषद के सदस्यों द्वारा सेवा कार्य किया गया ।

ग्वालियर हाईकोर्ट के स्टे के बाद भी

कब्रिस्तान की बाउंड्री के अंदर लगे हरे वृक्षों पर चला आया, मुस्लिम समाज में रोष

अवहेलना करने वालों को कार्यभार से सस्पेंड कर कोर्ट ऑफ कॉन्टेम्प्ट की कार्यवाही की जाने की जाने की मांग

मुरैना। अजय भारत न्यूज़

कब्रिस्तान में कब्रों तथा बाउंड्री के अंदर लगे घने हरे वृक्षों पर आरा बीते शनिवार को कमेटी के अध्यक्ष ने चलवा दिया, जिससे मुस्लिम समाज में काफी रोष व्याप्त है । पूर्व में भी अध्यक्ष द्वारा मौका देखकर समाज द्वारा झोली फैलाकर इकट्ठे किए गये रुपये से वर्षों पहले बाउंड्री वॉल का निर्माण किया गया था उसे जेसीबी द्वारा तोड़ दिया गया था, उसे लेकर काफी बवाल मचा था और शहर-ए-काजी अशरफ ने अध्यक्ष के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई किए जाने की शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई तब ग्वालियर हाईकोर्ट की शरण में पहुंचे जहां माननीय न्यायालय ने स्टे देकर किसी प्रकार का कोई निर्माण कार्य व छेड़छाड़ करने का आदेश पारित किया गया था । उसके बाद एक बार फिर अध्यक्ष द्वारा मौका देखकर क़ब्रिस्तान में वर्षों पुराने घने पेड़ पर आरा चलवा दिया गया। जब पेड़ काटे जाने की सूचना शहर काजी हाजी अशरफ को मिली तो वे तत्काल कब्रिस्तान पहुंचे जहां पेड़ काट रहे मजदूरों व ठेकेदार से तत्काल काम बंद करने को कहा गया । शहर काजी हाजी अशरफ ने बताया कि ईदगाह कब्रिस्तान कमेटी के अध्यक्ष इमरान कुरेशी उर्फ राजू ने नगर निगम को गुमराह कर एक आवेदन देकर कहा कि कब्रिस्तान में जो पेड़ लगे हैं उनकी टहनियां रहने वाले लोगों के घरों के ऊपर आ रही है, जिससे टूटने का खतरा पैदा हो जायेगा । नगर निगम ने उक्त झूठे दिये गये आवेदन पर पेड़ काटे जाने की अनुमति दे दी । जबकि माननीय ग्वालियर हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश को छिपा दिया गया । शहर काजी ने पुलिस अधीक्षक को लिखित आवेदन देकर अध्यक्ष इमरान कुरेशी उर्फ राजू के खिलाफ माननीय न्यायालय द्वारा पारित किये जाये आदेश के सम्मान में आदेश के पालन करने की बजाय अवहेलना करने वालों के विरूद्ध अतिशीघ्र वैधानिक कार्यवाही कर उन्हें उनके कार्यभार से सस्पेंड कर अतिशीघ्र पुलिस हिरासत में लेकर उनके विरूद्ध कोर्ट ऑफ कॉन्टेम्प्ट की कार्यवाही शीघ्र एफआईआर दर्ज किये जाने की मांग की ।

जयेश्वर महादेव मेला में हुआ रासलीला का मंचन, दर्शकों की भीड़ उमड़ी

अम्बाह। अजय भारत न्यूज़

श्री जयेश्वर महादेव मेला परिसर के रंगमंच पर श्री राम कृष्ण कला अनुकरण मंडल स्वामी श्री गोकुल प्रसाद रासाचार्य मंडली द्वारा इन दिनों रासलीला का मंचन किया जा रहा है । रविवार को रास लीला का शुभारंभ पूर्व नपा अध्यक्ष एवं भाजपा के जिला उपाध्यक्ष जिनेश जैन ने भगवान श्री कृष्ण और राधा जी की झांकी की आरती उतारकर किया । इस दौरान वृन्दावन के कलाकारों ने रासलीला का सजीव मंचन कर लोगों का मंत्रमुग्ध कर दिया कृष्ण की रासलीला देखने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कृष्ण की रासलीला देख भक्त मंत्रमुग्ध हुए। वृन्दावन से आयी रासलीला टीम के कलाकारों ने बड़ा ही मोहक अंदाज में राधा कृष्ण की लीला पेश की। उनके मंच पर आते ही लोगों ने उनकी आरती की। इस दौरान राधे-राधे के जयघोष से सारा वातावरण गुंजायमान रहा ।

इस दौरान भगवान श्री कृष्ण के मयूर नृत्य ने सबका मन मोह लिया। वृंदावन धाम से आए कलाकारों ने भगवान के नरसिंह अवतार को दिखाया। हिरण्यकशिपुके अत्याचार से भक्त प्रह्लाद को मुक्त कराया। मंचन के दौरान कथावाचक दर्शकों को उपदेश व प्रवचन भी सुनाते रहे। बीच-बीच में कलाकारों ने दर्शकों को राधे-राधे श्याम मिला दे... का गुणगान भी ब्रज के कलाकारों ने कृष्ण छवि की मनमोहक सजीव झांकियां सजाई। भजनों की प्रस्तुति देकर पांडाल को भक्तिमय बनाए रखा। नपा अध्यक्ष जिनेश जैन ने बताया कि सामाजिक समरसता एवं लोगों को परमार्थ व सत्कर्मों से जोड़े रखने के साथ आध्यात्मिक विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य को लेकर रात्रि को धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है कार्यक्रम में ब्रज की लोक परम्पराओं पर आधारित भगवान कृष्ण की छवि की रासलीला का मंचन किया जा रहा है इस दौरान विभिन्न झांकियों से ओतप्रोत राधा-कृष्ण की मनमोहक छवि पर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। 'मुरलीधर गिरधारी तेरी लीला अजब निराली, भजन पर उपस्थित दर्शकों कीखूब तालियां बटोरी। बांके बिहारी की अनोखी झांकी आकर्षण का केंद्र बनी रही। अर्धरात्रि तक चली रासलीला के दौरान नगरवासी भगवान की नयनाभिराम झांकियों से गदगद हो गए। मंचन के दौरान अतिथियों का साफा व पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया ।

जलकर में अपेक्षित वसूली न होने पर सात कर्मचारियों का 10 दिन का वेतन कटा

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(कासं) । निगम आयुक्त सतेंद्र धाकरे ने शनिवार की दोपहर जलकर वसूली की समीक्षा की वसूली के दौरान पाया की जलकर वसूली के लिए जो अमला लगाया गया था अमले द्वारा लक्ष्य से काफी कम वसूली की गई । निगम आयुक्त ने कम वसूली होने पर सात क र्म चा रि अधिकारियो का 10 से 15 दिन का वेतन तथा कर्मचारियों को हिदायत दी कि मार्च के अंतिम सप्ताह तक शत प्रतिशत वसूली करना सुनिश्चित करें अन्यथा और भी कठोर कार्रवाई की जायेगी जिन कर्मचारियों का वेतन काटा गया है उनमें उपयंत्री भानु प्रताप तोमर, ऋषिकेश शर्मा, कमरुद्दीन खान, अखिलेश कटारे, कपूर चंद शर्मा, सुरेश शर्मा सभी कर्मचारियों का 10 दिन का वेतन काटने के निर्देश निगम आयुक्त ने लेखा शाखा को दिये ।

शाति करो सब जगत में श्री शातिनाथ भगवान......

जैसे भजनों के बीच बड़े जैन मंदिर में हुआ शातिनाथ महामंडल विधान

अम्बाह। अजय भारत न्यूज़

शांति करो सब जगत में शांतिनाथ भगवान.....और-- मैने तेरे ही भरोसे शांतिनाथ भंवर में नैया डाल दई .....जैसे भजनों के साथ नगर के समाजसेवी संजय जैन चौधरी सहित सैकड़ो भक्तों ने श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का पूजन किया। मौका था जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र प्रसाद जैन चौधरी की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम का जिसमें बड़ी संख्या में लोग सम्मलित हुऐ ,इस दौरान जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ के समक्ष श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संगीतमय पूजन विधान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिनालय में जिनेन्द्र देव का अभिषेक एवं विश्व की सुख-समृद्धि कामनार्थ शांतिधारा की गई। अभिषेक एवं शांतिधारा के उपरांत इन्द्र-इन्द्राणियों ने देव-शास्त्र-गुरू की पूजन के साथ ही अष्ट द्रव्यों से भगवान शांतिनाथ की मधुर स्वर लहरियों के बीच श्रद्धापूर्वक विशेष पूजा-अर्चना की। इसके बाद मोक्ष की कामना से प्रभु के चरणों में अर्घ्य समर्पित किए। इस दौरान जैन श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ का जयघोष किया।

नेत्रहीन बच्चों के साथ एक दिन सेवा और संकल्प : दयानंद वर्मा

जौरा। अजय भारत न्यूज़

आज मेरे लिए एक अविस्मरणीय दिन था। मुझे नेत्रहीन बच्चों के साथ समय बिताने का अवसर मिला, जिन्हें आंखों से देखने की क्षमता नहीं है। लेकिन उनकी आत्मा और हृदय में एक अलग ही दुनिया है, जो प्यार, स्नेह और सेवा से भरी हुई है। मैंने इन बच्चों के साथ दोपहर 1बजे से लेकर शाम के 7बजे तक समय बिताया। मेरे साथ इस यात्रा में सौरभ गोयल जी रहे इस दौरान मैंने उनकी सेवा की, उनके साथ खेला, और उनकी बातें सुनीं। यह एक ऐसा अनुभव था जिसने मेरे जीवन को एक नई दिशा दी।

मैंने सीखा कि सेवा करने के लिए हमें किसी विशेष अवसर की आवश्यकता नहीं है। हम अपने दैनिक जीवन में भी दूसरों की सेवा कर सकते हैं। और जब हम ऐसा करते हैं, तो हमें एक अलग ही संतुष्टि और आनंद मिलता है। मेरा सेवा संकल्प जीवन भर तक ऐसे ही चलता रहेगा। मैं आगे भी दूसरों की सेवा करने के लिए तत्पर रहूंगा, चाहे वह किसी भी रूप में हो। और मुझे विश्वास है कि जब हम दूसरों की सेवा करते हैं, तो ईश्वर हमारे साथ होता है। हमारा साथ इंसान दे या न दे, ईश्वर हमारे साथ है। यह विश्वास और आस्था हमें आगे बढ़ने की शक्ति देती है और हमें दूसरों की सेवा करने के लिए प्रेरित करती है।

अम्बाह के व्यापारी रमाकांत गुप्ता का नीमसार में हृदयघात से निधन

अजय भारत न्यूज

अम्बाह,(कासं) । अम्बाह के प्रसिद्ध जूता व्यापारी रमाकान्त गुप्ता रामू पुत्र स्वर्गीय श्यामबिहारी गुप्ता का नीमसार में हृदय गति रुक जाने के कारण निधन हो गया जानकारी के अनुसार लगभग 60 वर्षीय रमाकांत गुप्ता तीर्थ यात्रा करने के लिए नीमसार क्षेत्र में गये हुये थे जहाँ रविवार सुबह अचानक उनकी तबीयत खराब हुई इसके बाद उनके साथ के लोग उन्हें अस्पताल लेकर गए जहां उनका निधन हो गया उनकी मौत के कारण अंबाह शहर की जूता गली के दुकानदारों ने दुकान बंद रखकर शोक जताया।परिजनों के अनुसार उन्हें किसी प्रकार की कोई तकलीफ नहीं थी। अचानक ही हृदय गति रुकने से उनकी मौत हो गई।

चतुर्थ समयमान, लंबित डीए के आदेश जल्द हो : डॉ. सिकरवार

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(कासं) । शिक्षा, शिक्षक, समाज हित को लेकर मध्यप्रदेश शिक्षक संघ की बैठक में अनेक मुद्दों के निराकरण को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। संभागीय अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में पुरानी हाउसिंग कॉलोनी में संभागीय कार्यालय पर हुई बैठक में जुटे पदाधिकारियों ने समस्याओं और लंबित मांगों के यथाशीघ्र समाधान की पुरजोर मांग रखी। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों ने लंबित मांगो एवं शिक्षक समस्याओं के निराकरण में देरी पर असंतोष जताया। इस दौरान बैठक में छात्रों और पलकों को हो रही परेशानी को देखते हुए अपार आईडी परीक्षा तक टालने, लंबित डीए, चतुर्थ समयमान, शासकीय स्कूलों में शौचालयों की मरम्मत न होने से छात्रों को हो रही असुविधा, समयमान पर गंभीर चर्चा की। संभागीय अध्यक्ष डॉ. सिकरवार ने कहा कि सहायक शिक्षक, शिक्षकों, व्याख्याताओ को समयमान देने का मामला शीघ्रता से निपटाया जाना चाहिए। अनुकंपा नियुक्ति प्रक्रिया के सरलीकरण करना जरूरी है क्योंकि आश्रित परिवार को इस पूरी प्रक्रिया में लंबा इंतजार करना पड़ता है। जिसके कारण जिस उद्देश्य से अनुकंपा नियुक्ति होती है वह उद्देश्य कही न कही प्रभावित होता है। लंबत डीए भुगतान, सेवा पुस्तिका में अर्जित अवकाश अंकित करने जिससे सेवानिवृत्त होने के बाद शिक्षक के लिए असहज स्थिति न बने, उसे अपने स्वत्वों के भुगतान के लिए भटकना न पड़े। इन मांग सभी समस्याओं के निराकरण की मांग जोरदार तरीके से की गई है। समयसीमा में निराकरण नही होने पर आंदोलन करने पर भी चर्चा हुई।

सिकरौदा ट्रेन के पुल के नीचे घायल अवस्था में मिली युवती

अजय भारत न्यूज

जौरा,(कासं) । थाना जौरा क्षेत्र के अन्तर्गत सिकरौदा ट्रेन की पुल के नीचे घायल अवस्था में मिली युवती को अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद मुरैना के लिए रेफर किया गया है । बीट प्रभारी सब इंस्पेक्टर विवेक सिंह तोमर से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को उन्हें जानकारी मिली कि सिकरौदा रेलवे पुल के नीचे एक युवती गिर गई है 108 वहां भेजकर युवती को अस्पताल भेजा गया जहां से चिकित्सकों द्वारा उसे प्राथमिक उपचार के बाद मुरैना रेफर किया गया है तो सब इंस्पेक्टर तोमर का कहना है कि युवती का तो यह कहना था कि वह ट्रेन से गिर गई है जबकि वहां मौजूद ग्रामीणों का या कहना था कि ट्रेन के आने से पहले ही युवती अज्ञात का रण के चलते रेलवे पुल के नीचे गिर गई थी पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है ।

अग्रवाल महासभा जोरा का चुनाव कार्यक्रम घोषित

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(कासं) । स्थानीय अग्रवाल महासभा चुनाव की तैयारी चुनाव अधिकारी भरोसी लाल गोयल की देखरेख में प्रारंभ हो चुकी है । अध्यक्ष उपाध्यक्ष कोषाध्यक्ष व सचिव पद के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया है यदि आवश्यक हुआ तो 9 मार्च को मतदान होगा निर्वाचन अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार अग्रवाल महासभा द्वारा निर्वाचन अधिकारी को दी गई सदस्यता सूची पर दावे आपत्ति मांगी गई निर्धारित समय तक सदस्यता सूची पर निर्वाचन अधिकारी को किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति प्राप्त नहीं हुई जिसके चलते अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन निर्वाचन अधिकारी भरोसी लाल गोयल द्वारा किया गया।

कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा जिला ग्वालियर म.प्र.

क्रमांक- /क्यू/3/मा.रा./खनिज/2024-25/397 ग्वालियर,दिनांक-27/02/2025

प्रथम -सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक/फर्म मै0 भोलेनाथ स्टोन क्रेशर पता- जी-4 , शिवा आर्किड इन्फ्रन्ट ऑफ इन्कम टैक्स ऑफिस सिटी सेन्टर जिला ग्वालियर म0प्र0 द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक-20/02/2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक-31/03/2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in प्रस्तुत किये जावेंगे। विवरण निम्नानुसार है।

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हैक्टेयर में	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
ग्वालियर	डबरा	बिलौआ	3717/1/1	0.627	शासकीय	गिटटी, बोल्डर एवं एम-सेण्ड	-
			3717/1/2	0.209			
			3717/2/1	0.627			
			3717/2/2	0.627			
			कुल योग	2.090			

1- उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाइन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदको के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।

3- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4- यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि मे अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है। तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।

5- निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

प्रभारी खनि अधिकारी
खनिज शाखा
जिला ग्वालियर

जी-23668/24

"स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

हिन्दू पारिवारिक परम्परा का निर्वहन करें

पश्चिमी दुनिया में फैमिली सिस्टम समाप्त हो रहा है वहीं दूसरी ओर हिन्दू परिवार परम्परा का भी पतन प्रारम्भ हो रहा है

पं. प्रसाद दीक्षित

वाराणसी। सुविख्यात ज्योतिषाचार्य तथा विचारक पंडित प्रसाद दीक्षित ने कहा कि एक ओर जहां पश्चिमी दुनिया में फैमिली सिस्टम समाप्त हो रहा है वहीं दूसरी ओर हिन्दू परिवार परम्परा का भी पतन प्रारम्भ हो रहा है। इसके विपरीत इस्लाम का मज़बूत फैमिली सिस्टम उसे जिलाये रखने में सक्षम है। डेविड सेलबॉर्न पश्चिमी दुनिया के मशहूर लेखक हैं। उन्होंने हार के कई कारण गिनाए हैं। जिसमें इस्लाम के मज़बूत फैमिली सिस्टम को एक कारण बताया है द्य पश्चिमी दुनिया में फैमिली सिस्टम तबाह हो चुका है। लोग शादी करना पसंद नहीं करते। समलैंगिकता, अवैध संबंध, लिव इन रिलेशन जैसी कुरीतियों के आम होने से फैमिली सिस्टम टूटता जा रहा है। निरंतर ऐसे बच्चों की तादाद बढ़ती जा रही है जिन्हें मालूम नही होता की उनके पिता कौन हैं? बूढ़े मां-बाप को घर में रखने को कोई तैयार नही है। ओल्ड ऐज होम में उनका बुढापा गुज़रता है। पश्चिमी समाज में कुछ ऐसे समाजिक परिवर्तन आ चुके हैं जिससे पूरा पश्चिमी समाज तबाह होने के कगार पर पहुंच चुका है। राजनीतिक दल परिवार को बचाने का वादा अपने चुनाव घोषणा पत्र में करने लगे हैं। फैमिली सिस्टम को बचाना वेस्टर्न वर्ल्ड का सबसे बड़ा मुद्दा है द्य क्योंकि फैमिली नही बची तो समाज को भी देर सवेर ध्वस्त होते देर नहीं लगेगी। यही वजह है कि डेविड सेलबॉर्न और बिल वार्नर जैसे लेखक यह कहने पर मजबूर हो जाते हैं कि इस्लाम के मज़बूत फैमिली सिस्टम की वजह से पश्चिम कालांतर में इस्लाम से हार जाएगा।

भारत में भी हिन्दू परिवार परम्परा का पतन होना प्रारम्भ हो चुका है। रक्त के 5 रिश्ते समाप्त

इसे इस तरह समझा जा सकता है -

पुत्र	पुत्री	बच्चे	रिश्ते
2	2	5	
2	1	4	(मौसी x)
1	2	3	(चाचा, ताऊ x)
1	1	2	(चाचा, ताऊ, मौसी x)
1	0		x
0	1		x
परिणाम			
0	0		

होने की कगार पर है। ताऊ, चाचा, बुआ, मामा, मौसी जैसे रिश्ते आने वाले समय में देखने सुनने को नहीं मिलने वाले हैं।

यह अत्यंत सोचनीय विषय है- सिंगल चाइल्ड फैमिली को उनका निर्णय तीसरी पीढ़ी यानी जिनके आप- दादा- दादी होंगे बुरी तरह प्रभावित करेगा। जिस दादा को मूल से अधिक ब्याज प्यारा होता है, उसका मूलधन भी समाप्त हो जाएगा। इसके लिए वह स्वयं उत्तरदायी है। इसलिए दम्पत्ति को सिंगल चाइल्ड के निर्णय पर गंभीरता से विचार करना होगा। यह घटती आबादी के आंकड़ें बोल रहे हैं। यह विश्लेषण सरकारी आँकड़ों के अध्ययन से आ रहा है। आपका पौत्र या प्रपौत्र इस संसार में अकेला खड़ा होगा। उसे अपने रक्त के रिश्ते की आवश्यकता होगी तो इस पूरे ब्रह्मांड में उसका अपना कोई नहीं होगा द्य यह अत्यंत सोचनीय विषय है। ये न केवल हमारे बच्चों को एकाकी जीवन जीने को मजबूर करेगा बल्कि हमारी हिंदू परिवार सभ्यता को ही नष्ट कर देगा।

...तो सभ्यता ही समाप्त हो जाएगी

श्री दीक्षित ने कहा कि हम जो हिन्दू एकता की बात करते हैं ये तो सभ्यता ही समाप्त हो जाएगी और इन सबके लिए हमारी वर्तमान पीढ़ी उत्तरदायी होगी। अगर आप इस विषय को गंभीर समझते हैं तो इस पोस्ट को शेयर करें, घर परिवार में, पति पत्नी के बीच, रिश्तेदारों में, दोस्तो में एवं विभिन्न बैठकों एवं आयोजनों में इस विषय पर मंत्रणा करे। अपनी सभ्यता, संस्कार और पीढ़ियों को बचाये। भारत में वृद्धाश्रम में हिंदुओं के माता पिता ही दिखते हैं, इसलिए सावधानी अपेक्षित है। अब समय आ गया है कि हिंदू भाई पारिवारिक परम्पराओं का निर्वहन करें।

नए अध्यक्ष के साथ होली खेलेगी एमपी बीजेपी

ये नाम लगभग तय!

भोपाल। अजयभारत न्यूज

मध्यप्रदेश बीजेपी का अगला अध्यक्ष कौन होगा? इसके लिए फरवरी में चयन प्रक्रिया शुरू की जानी थी, लेकिन पीएम मोदी का एमपी दौरान, इसके बाद ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के चलते चुनावी प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकी, लेकिन अब एमपी बीजेपी में नए अध्यक्ष के चयन को लेकर उठापठक शुरू हो गई।

सूत्रों के अनुसार ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के खत्म होने के बाद बीजेपी में कुछ गुप्त बैठके हो चुकी है। वही दिल्ली में भी जेपी नड्डा बीजेपी के बैठक ले चुके है। वही सूत्रों की माने तो चुनाव अधिकारी बनाए गए धर्मेंद्र प्रधान एक्टिव हो गए है, वे जल्द ही राजधानी भोपाल आ सकते है। यानी कुल मिलाकर मध्यप्रदेश बीजेपी को जल्द अपना नया पार्टी का अध्यक्ष सकता है।

बताया जा रहा है कि धमेन्द्र प्रधान होली से पहले भोपाल आ सकते है। अगर ऐसा होता है तो एमपी बीजेपी अपने नए अध्यक्ष के साथ होली खेलती नजर आएगी। प्रधान भोपाल में पार्टी नेताओं के साथ रायशुमारी कर सकते है। रायशुमारी के बाद एक रिपोर्ट बनाकर दिल्ली आलाकमान को भेजी जा सकती है। आलाकमान से हरि झंड़ी मिलने के बाद नए अध्यक्ष का ऐलान किया जा सकता है।

ये नाम लगभग तय!

एमपी बीजेपी अध्यक्ष बनने के लिए एक अनार सौ बीमार जैसी स्थिति देखने को मिल रही है, लेकिन कुछ प्रबल दावेदारों के नाम सामने आए है, जिनमें से एक किसी नेता का अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। दावेदारों की लिस्ट में सबसे पहला नाम पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का बताया जा रहा है। नरोत्तम मिश्रा ब्राह्मण चेहरा है। वे प्रदेश की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हैं। इसके बाद दूसरा नंबर हेमंत खंडेलवाल का बताया जा रहा है। खंडेलवार बैतूल से विधायक है। वे सांसद भी रहे है। खंडेवाल को संघ और सीएम मोहन यादव का करीबी माना जाता है। तीसरे नंबर की बात करे तो तीसरे नंबर पर डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल का नाम चर्चा में बना हुआ है। हालांकि उनपर पहले से डिप्टी सीएम की जिम्मेदारी है। ऐसे में उनके अध्यक्ष बनने की संभावनाएं कम जताई जा रही है। इसके बाद चौथे नंबर पर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते चर्चा में बने हुए है। वे आदिवासी वर्ग से आते है। आदिवासी वर्ग से राज्यसभा सदस्य सुमेर सिंह सोलंकी का नाम भी शामिल है। हालाकि नाम मौजूदा अध्यक्ष वीडी शर्मा का नाम भी चर्चा में है, लेकिन लोकसभा समिति में उन्हें जिम्मेंदारी दे दी गई है, इसलिए उनकी संभावनाएं कम लगाई जा रही है।

चर्चा में ये भी नाम

अध्यक्ष के दावेदारों की लिस्ट में कुछ नाम और भी शामिल है। जिनमें सांसद आलोश शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, पूर्व मंत्री अर्चना चिटनिस, सांसद लता बानखेड़े, सांसद हिमांद्री सिंह सहित कई नाम शामिल है।

कार्य में लापरवाही करने पर जिला सीईओ ने चार पंचायत सचिवों को किया निलंबित

मुरैना। अजयभारत न्यूज

म.प्र. राज्य रोजगार गारंटी परिषद् भोपाल के आदेश के तारतम्य में पंचायतों की प्राप्त शिकायतों के आधार पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने जिले के चार पंचायत सचिवों को निलंबित एवं 6 ग्राम रोजगार सहायकों को शासकीय कार्य से विरत किया है। विदित है कि पिछले दिनों समाचार पत्रों में पंचायतों के संबंध में प्रकाशित खबर एक गांव में 36 शर्मा और 12 गुप्ता मनरेगा मजदूर एमपी में फर्जी नाम से जॉबकार्ड बनाए दो साल में 20 करोड़ मजदूरी निकाली, और फर्जी तरीके से जॉब कार्ड बनाकर राशि का आहरण किया है,जबकि मतदाता सूची में उनके नाम नहीं पाए गए। के बाद जिला सीईओ द्वारा इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उसकी जांच कराई गयी। जांच में 4 सचिव और 6 ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक दोषी पाए गये। जिनमें सबलगढ़ जनपद की ग्राम पंचायत कढावना के पंचायत सचिव अखलेश चतुर्वेदी, कैलारस जनपद की पंचायत बहराना के बासुदेव,जौरा जनपद की पंचायत सिंघोरा के राजेंद्र कुशवाह और मुरैना जनपद की पंचायत नायक पुरा के लोकेन्द्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

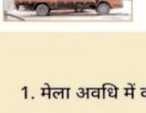

उठावनी

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जा रहा है कि गुरूदेव बृजनंदन महाराज जी की पूज्यनीय माताजी श्रीमती रामबाई शर्मा आज दिनांक 02 मार्च 2025 रविवार को ब्रहमलीन हो गयी हैं। जिनकी उठावनी दिनांक 03 मार्च 2025 सोमवार को दोपहर 3 बजे निज निवास स्थान संस्कार भवन गणेशपुरा मुरैना पर रखी गयी है।

धेवतेगण	पंतीगण	नातीगण	शोकाकुल परिवार:
कुलदीप शर्मा	अनुराग,अंशुल	मदनमोहन पंडित	देवेन्द्र राजौरिया
कमलेश शर्मा	कान्हा,राम,चिराग	जीतेन्द्र कृष्ण शास्त्री	गुरूदेव बृजनंदन
रविकांत दंडोतिया	सभ्य(कन्नू)	लक्ष्मीकांत महेश (मोनू)	महाराज जी
कृष्णगोपाल शर्मा	एवं समस्त राजौरिया	पंडित संस्कार शास्त्री	(ब्रजलोकधाम आश्रम पुरावस)
शिवकुमार शर्मा	परिवार		

स्वामित्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अजय दीक्षित द्वारा सद्गुरू कृपा प्रकाशन, शांति विद्या पीठ केम्पस, ग्वालियर रोड मुरैना से मुद्रित एवं ई-11 सिटी सेन्टर साइड नं. 1 ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। R.N.I. पंजीयन क्रमांक MPHIN/2013/53959
प्रधान संपादक अजय दीक्षित मो. 94251-26037, प्रबंध संपादक अरूण कुमार दीक्षित मो. 94251-26036, स्थानीय संपादक रविशेखर मो. 94256-70196, 0751-4065620 email-ajaybharatmorena@gmail.com